राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार ,29 अगस्त–2021 वर्ष–4,अंक–217 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना से बचाएगा टीका : वैक्सीन न लेने वाले डेल्टा स्वरूप का हो रहे गंभीर शिकार

नई दिल्ली। टीका न लगवाने वाले संक्रमितों की मृत्युदर चार फीसदी से भी अधिक दर्ज की गई है। जिन लोगों ने टीके की एक भी खुराक अब तक नहीं ली है वह डेल्टा स्वरूप की चपेट में आने के बाद तेजी से गंभीर अवस्था में पहुंच रहे हैं। वहीं एक खुराक लेने वालों में मृत्युदर 1.34 फीसदी मिल रही है। जबकि दोनों खुराक लेकर टीकाकरण पूरा करने वालों में मृत्युदर शून्य दर्ज की गई है। यानी टीकाकरण पूरा करने के बाद डेल्टा स्वरूप से संक्रमित हुए मरीज में से अब तक किसी की भी मौत नहीं हुई है। आईसीएमआर के ही महाराष्ट्र और तमिलनाडु केंद्र के वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि डेल्टा स्वरूप के मरीजों में संक्रमण भी गंभीर हो रहा है। पुणे के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी) की डॉ. प्रज्ञा यादव का कहना है कि टीका लेने के बाद काफी हद तक संक्रमित अस्पताल जाने या फिर मौत से बच सकता है। मेडिकल जर्नल एल्सेवियर में प्रकाशित एक अध्ययन में राष्ट्रीय महामारी संस्थान के प्रमुख डॉ. एम मुरहेकर ने जानकारी दी है कि डेल्टा की वजह से कोविशील्ड और कोवाक्सिन लेने वालों में एंटीबॉडी कम हो रहे हैं, लेकिन फिर भी टीके का असर खत्म नहीं होता है। एंटीबॉडी कम होने से यह लोग टीकाकरण के बाद भी संक्रमित हो सकते हैं, जो अपने घर में रहकर ठीक भी हो रहे हैं। कोरोना टीकाकरण को लेकर राहत भरी खबर है। देश में अब वैक्सीन संकट पूरी तरह से खत्म हो चुका है। पहली बार राज्यों के पास चार करोड़ से अधिक खुराकें मौजूद है। 16 जनवरी से शुरू हुए कोरोना टीकाकरण कार्यक्रम के तहत ऐसा पहली बार हुआ है जब एक ही महीने में केंद्र सरकार ने 20 बार टीके की खेप जारी करते हुए राज्यों के भंडारण में दो करोड़ से अधिक खुराकें रखी हैं। जबकि इससे पहले तक टीके की कमी के चलते दिल्ली, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश सहित कई राज्यों में टीकाकरण की गति को कम करना पड़ा था।

जो कहा, वह किया

अमेरिका ने लिया काबुल ब्लास्ट का बदला, 48 घंटे के भीतर साजिशकर्ता आईएस आतंकी को मार गिराया

काबुल। अफगानिस्तान के काबुल एयरपोर्ट पर बम धमाकों से अमेरिका समेत दुनिया को दहलाने वाले आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट के अब बुरे दिन शुरू हो गए हैं। काबुल एयरपोर्ट पर हुए धमाकों में अपने 13 जवानों को खोने के बाद अमेरिका कहां चुप बैठने वाला था। अब उसने आतंकियों से बदला लेना शुरू कर दिया है। काबुल हमले के एक दिन बाद ही अमेरिका ने अफगानिस्तान में आईएस के आतंकियों के खिलाफ एयरस्ट्राइक की है और हमले के प्लानर यानी साजिशकर्ता को मार गिराया है। इस तरह से अमेरिका ने काबुल ब्लास्ट के 48 घंटे के भीतर अपने 13 सैनिकों की मौत का बदला आईएसआईएस-के से ले लिया। पेंटागन के मुताबिक, अमेरिका ने मानवरहित विमान के जरिए आईएस के ठिकाने पर ड्रोन से बमबारी कर काबुल आतंकी हमले के साजिशकर्ता को मार गिराया है। यूएस सेंट्रल कमांड के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह मानव रहित हवाई हमला अफगानिस्तान के नंगहर प्रांत में हुआ। प्रवक्ता ने कहा कि शुरुआती संकेत देते हैं कि टारगेट (काबुल हमले का साजिशकर्ता) को मार दिया गया है, जबकि कोई नागरिक हताहत नहीं हुआ है।

बाइडेन ने जो कहा, वह किया

गौरतलब है कि गुरुवार को काबुल में हुए आत्मघाती हमलों में अमेरिकी नौसैनिक के 13 जवानों की मौत हो गई थी और करीब 169 से अधिक लोग घायल हो गए थे, जिनमें ज्यादातर अफगानी नागरिक थे। इसके बाद ही अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने आतंकियों को चेताया था कि वह इस काबुल ब्लास्ट का बदला जरूर लेंगे और ढूंढकर इस हमले के साजिशकर्ता को मार गिराएंगे। उन्होंने व्हाइट हाउस में भावुक होते हुए कहा था कि हम इस हमले को न भूलेंगे और न माफ करेंगे, ढूंढकर आतंकियों का शिकार करेंगे।

अमेरिकी दूतावास की चेतावनी

बता दें कि इससे पहले अमेरिका ने काबुल एयरपोर्ट एक और आतंकी हमले की चेतावनी दी थी। इतना ही नहीं, अमेरिकी दूतावास ने अपने नागरिकों के लिए एक और एडवाइजरी जारी की थी और सुरक्षा कारणों से उन्हें तुरंत वहां से निकलने को कहा गया। अमेरिकी दूतावास ने अपने नागरिकों से काबुल एयरपोर्ट की यात्रा से बचने को कहा था। साथ ही कहा कि जो लोग अबे, ईस्ट, नॉर्थ और मिनिस्ट्री ऑफ इंटीरियर गेटों पर हैं, उन्हें तुरंत वहां से निकलना चाहिए। काबुल में अमेरिकि दूतावास ने अपने वेबसाइट पर एक बयान जारी कर कहा, काबुल हवाई अड्डे पर सुरक्षा खतरों के कारण हम अमेरिकी नागरिकों को हवाईअड्डे की यात्रा से बचने और एयरपोर्ट के गेटों से दूर रहने की सलाह देना जारी रख रहे हैं। जो अमेरिकी नागरिक एबी गेट, ईस्ट गेट, नॉर्थ गेट या न्यू मिनिस्ट्री ऑफ इंटीरियर गेट पर हैं, उन्हें अब तुरंत वहां से निकल जाना चाहिए। बता दें कि काबुल हमले के पहले भी अमेरिकी दूतावास ने ऐसी ही चेतावनी जारी की थी। मगर यह लेटेस्ट चेतावनी ऐसे वक्त में है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की सुरक्षा टीम ने चेताया है कि काबुल में एक और आतंकी हमला हो सकता है। अमेरिकी प्रेसीडेंट को बताया गया है कि काबुल में एक और आतंकी हमला होने की आशंका है और इस वजह से अफगानिस्तान की राजधानी में एयरपोर्ट पर सिक्योरिटी और बढ़ाई जा रही है।

एक और धमाके का खतरा

आत्मघाती हमले से दहले काबुल एयरपोर्ट पर एक और धमाके का खतरा है। अमेरिका ने कहा कि आतंकी बड़ी साजिश रच रहे हैं। ब्रिटेन और स्वीडन ने भी हमले की आशंका जताई है। अमेरिकन ब्रॉडकास्ट कंपनी के मुताबिक, नॉर्थ गेट पर कार या रॉकेट धमाका हो सकता है। वहीं, खतरे की आशंका के बीच काबुल से 16 घंटे बाद शुक्रवार दोपहर 12 बजे से उड़ानें बहाल हो गईं।

हमले की आशंका कब

अमेरिका ने कहा, विदेशी सैनिकों की वापसी की मंगलवार की समय सीमा से पहले और हमले होने की आशंका है। अमेरिकी केंद्रीय कमान के प्रमुख जनरल फ्रैंक मैकेंजी ने कहा कि आईएस के हमले रोकने पर काम कर रहे हैं। ब्रिटिश रक्षा सचिव बेन वालेस ने कहा कि पश्चिमी देशों के सैनिकों के निकासी के अंतिम चरण में हमलों का खतरा बढ़ जाएगा।

'बाहरियों को प्रवेश नहीं, छात्राओं के अकेले घूमने पर प्रतिबंध'

सामूहिक दुष्कर्म के बाद एक्शन में मैसूर विश्वविद्यालय

मैसूर। कर्नाटक के मैसूर में छात्रा के साथ गैंग रेप के बाद मैसूर विश्वविद्यालय ने कुक्काराहल्ली झील परिसर में शाम छह बजे के बाद प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। विश्वविद्यालय की ओर से जारी किए गए सर्कुलर के तहत गंगोत्री कैंपस के अंदर शाम 6:30 बजे के बाद महिलाओं के अकेले घूमने पर भी रोक लगाई गई है। वहीं विश्वविद्यालय की ओर से शाम छह बजे से नौ बजे तक सुरक्षा अधिकारियों को परिसर में पेट्रोलिंग के निर्देश दिए गए हैं।

बलात्कारियों पर हो कड़ी कार्रवाई

पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि बलात्कारियों के साथ ठीक वैसा ही व्यवहार होना चाहिए जैसा दो साल पहले हुआ था, उन्हें गोली मार दी गई थी। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि बलात्कारियों से निपटने के मामले में हैदराबाद पुलिस की कार्यशैली की प्रशंसा करता हूं। जब तक कड़ी कार्रवाई नहीं होती है तब तक चीजें सुधरती नहीं हैं।

दरअसल, दो दिन पहले कर्नाटक के मैसूर के

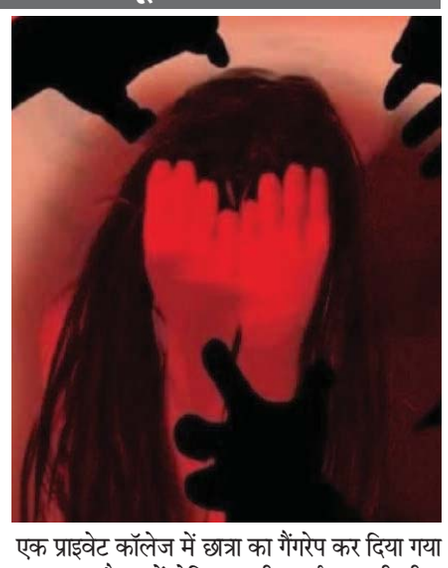

एक प्राइवेट कॉलेज में छात्रा का गैंगरेप कर दिया गया था। छात्रा मैसूर में मेडिकल की पढ़ाई कर रही थी।

कोरोना से लड़ाई

रिलायंस भी बनाएगी कोरोना टीका, पहले मानव परीक्षण के लिए अनुमति मिली

नई दिल्ली। कोरोना वायरस से बचाव के लिए टीके की दौड़ में जल्द ही रिलायंस कंपनी भी दिखाई देगी। कंपनी ने प्रोटीन सब यूनिट तकनीक के आधार पर एक टीका विकसित किया है जिसके पहले मानव परीक्षण के लिए अनुमति मिल चुकी है।

हालांकि अभी यह अनुमति विशेषज्ञ समिति (एसईसी) ने दी है, लेकिन जल्द ही ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (सीडीएससीओ) की ओर से अंतिम मंजूरी भी दी जा सकती है।

यह टीका भी दो खुराकों

वाली होगी। अध्ययन के परिणामों की समीक्षा करने के बाद एसईसी समिति ने परीक्षण आगे बढ़ाने पर सहमति जताई है। समिति ने सिफारिश सीडीएससीओ को भेज दी हैं।

फिलहाल टीके के प्रभावों को लेकर कुछ भी नहीं कहा जा सकता है। सब कुछ ठीक रहता है तो अगले साल यह टीका सामने आ सकता है। महाराष्ट्र और तमिलनाडु के अलावा दिल्ली के करीब 10 से अधिक अस्पतालों में यह परीक्षण किया जाएगा।

नाक से दिए जाने वाले टीके का पहला परीक्षण

रिलायंस के अलावा हैदराबाद स्थित भारत बायोटेक कंपनी ने नाक से दी जाने वाली वैक्सीन का पहला परीक्षण भी पूरा कर लिया है। बैठक में इस परीक्षण से जुड़े तमाम परिणाम साझा किए गए हैं जिन पर फिलहाल समीक्षा चल रही है। इनके अलावा बायोलॉजिकल ई-कंपनी की वैक्सीन पर भी अभी तीसरे चरण का परीक्षण चल रहा है।

नोएडा में पेपर मिल में लगी भीषण आग

12 से ज्यादा दमकल की गाड़ियां काबू पाने में जुटीं

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर जिले के कासना थाना इलाके में एक पेपर मिल में भीषण आग लगी है। दमकल की गाड़ियां आग पर काबू पाने में जुटीं हैं। अभी तक आग पर काबू नहीं पाया गया है।

जानकारी के अनुसार, कासना थाना इलाके के औद्योगिक क्षेत्र साइट-5 स्थित आरएस पेपर मिल में देर रात लगभग 2:00 बजे आग लगी थी। दमकल विभाग को लगभग 2:45 बजे की सूचना मिली। सूचना मिलते ही दमकल विभाग के एक दर्जन से ज्यादा वाहन और बड़ी संख्या में दमकल कर्मी आग पर काबू पाने का प्रयास कर रहे हैं। आग लगने की वजह का खुलासा नहीं हो पाया है। आग में लाखों रुपये का पेपर जल गया है।

जलवायु परिवर्तन

साल 2050 तक डूब जाएगी 70 फीसदी दक्षिण मुंबई

कोलाबा, सैंडहर्स्ट रोड, कालबादेवी, नरीमनप्वाइंट व ग्रांट रोड का 70 प्रतिशत हिस्सा पानी में डूब सकता है। वहीं, सबसे पॉश इलाका माना जाने वाला कफ परेड का 80 प्रतिशत क्षेत्र समुद्र में समा सकता है।

मुंबई। मुंबई पर जलवायु परिवर्तन का सबसे गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। अगर समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो साल 2050 तक दक्षिण मुंबई का 70 फीसदी हिस्सा पानी-पानी हो जाएगा। यह आशंका खुद बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) आयुक्त इकबाल सिंह चहल ने जताई है।

उन्होंने शनिवार को यह चेतावनी दी कि इससे कोलाबा, सैंडहर्स्ट रोड, कालबादेवी, नरीमनप्वाइंट व ग्रांट रोड का 70 प्रतिशत हिस्सा पानी में डूब सकता है।

वहीं, सबसे पॉश इलाका माना जाने वाला कफ परेड का 80 प्रतिशत क्षेत्र समुद्र में समा सकता है। बीएमसी कमिश्नर चहल ने कहा कि पिछले 15 महीने में मुंबई में तीन बार साइक्लोन आ चुका है। साल 1891 के बाद 3 जून 2020 को पहली बार मुंबई में निसर्ग तूफान आया था, जिससे काफी नुकसान हुआ था। उसके बाद मुंबई दो और साइक्लोन का सामना कर चुकी है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि जलवाई परिवर्तन का मुंबई पर कितना बुरा असर पड़ रहा है।

जल्द पटरी पर दौड़ेगी नवी मुंबई मेट्रो, ऑसिलेशन ट्रायल शुरू

नवी मुंबई मेट्रो परियोजना के तहत चार एलिवेटेड कॉरिडोर को सिटी एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (सिडको) द्वारा विकसित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य ऑसिलेशन ट्रायल के तुरंत बाद नागरिकों के लिए सेवा शुरू करना है।

मुंबई। महाराष्ट्र के नवी मुंबई में जल्द ही मेट्रो ट्रेन का परिचालन शुरू हो जाएगा। जानकारी के अनुसार भारतीय रेलवे का अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ) ने सवारी की सुरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए शनिवार से ऑसिलेशन ट्रायल शुरू हो गया है। नवी मुंबई मेट्रो परियोजना के तहत चार एलिवेटेड कॉरिडोर को सिटी एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (सिडको) द्वारा विकसित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य ऑसिलेशन ट्रायल के तुरंत बाद नागरिकों के लिए सेवा शुरू करना है। सिडको ने मंगलवार को एक ट्वीट करते हुए जानकारी दी कि पेंढर स्टेशन से सेंट्रल पार्क स्टेशन तक मेट्रो लाइन 1 के लिए आरडीएसओ द्वारा 28 अगस्त से ऑसिलेशन ट्रायल किया जाएगा। नवी मुंबई मेट्रो के तहत एलिवेटेड कॉरिडोर को सिडको द्वारा विकसित किया जाएगा जो कई लाइन को आपस में जोड़ते हैं, जिससे आम नागरिकों को यात्रा करने में और आसानी होगी।

नागरिकों के लिए मेट्रो सेवाओं के चालू

होने से पहले इस ऑसिलेशन ट्रायल को एक महत्वपूर्ण चरण माना जाता है। इसके तहत भारतीय रेलवे की अनुसंधान शाखा अलग-अलग समय पर ब्रेकिंग सिस्टम, पटरियों और मेट्रो कारों की सुरक्षा का परीक्षण करेगी। मेट्रो ऑसीलेशन ट्रायल नवी मुंबई में पेंडार स्टेशन और सेंट्रल पार्क स्टेशन के बीच 5.14 किमी के खंड में आयोजित किया जाएगा।

नवी मुंबई मेट्रो परियोजना चार चरणों में विभाजित

नवी मुंबई मेट्रो परियोजना को चार चरणों में विभाजित किया गया है, जिनमें से पहला बेलापुर रेलवे स्टेशन से शुरू होता है और तलोजा के पास पेंडार स्टेशन पर समाप्त होता है। वर्तमान में कार्यान्वयन के तहत इस मार्ग में 11 स्टेशन हैं जो 11.10 किमी के विस्तार में फैले हुए हैं। दूसरे चरण का लक्ष्य खंडेश्वर और तलोजा एमआईडीसी को जोड़ना है, जबकि तीसरे चरण की योजना पेंडार और तलोजा एमआईडीसी के बीच बनाई गई है। रिपोर्ट के अनुसार, नवी मुंबई मेट्रो का चौथा और अंतिम चरण खंडेश्वर और पनवेल के निकट नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनएमआईए) के बीच कनेक्टिविटी प्रदान करता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

इंसानियत पर हमला

काबुल हवाई अड्डे पर हुए धमाकों की जितनी निंदा की जाए, कम होगी। किसी मजहब की बात छोड़ दीजिए, आज इंसानियत शर्मसार हैै।कैसानिर्मम शासन आया है, डर से लोग भाग रहे हैं और भागते लोगों पर आतंकियों ने हमला किया है। इन धमाकों में करीब सौ लोग मारे गए हैं, जिनमें 13 अमेरिकी सैनिक भी शामिल हैं। दो सौ के करीब लोग घायल हुए हैं, जो अब जीवन भर उस दहशत को याद करेंगे, जो उन्हें कथित मजहबी साये में नसीब हुई है। धिक्कार है, ऐसे लोगों पर, जिनमें रत्ती भर भी दया नहीं, जिनकी आंखों का पानी सूख गया है। जो लोग काबुल हवाई अड्डे पर जुटे थे, वे कोई दुश्मन या आतंकवादी नहीं थे। वे डरे हुए लोग हैं, जो जान बचाकर भागने में भलाई समझ रहे हैं, लेकिन उन्हें भागने से रोकने का यह कौन-सा तरीका हुआ? आज अफगानिस्तान की जमीन शर्मसार है, शायद कभी इस जमीन के लोगों को भलमनसाहत के लिए पहचाना जाता था। इनके सीधेपन की दुहाई दी जाती थी। भारत में जिस काबुलीवाले को हम जानते हैं, वह आज काबुल में कहां है? कौन काबुलीवाला रहम की भीख मांग रहा है और कौन काबुलीवाला अपनों के ही खून का प्यासा बन गया है?

खैर, काबुल में चल रहे राहत अभियान को झटका लगा है, लेकिन अभियान रुका नहीं है। शोषित काबुलीवालों की वापसी फिर शुरू हो गई है। हमले के एक दिन बाद अमेरिका ने फिर अपने नागरिकों और अधिकारियों को काबुल से निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हालांकि, अमेरिका का कहना है कि विदेशी सैनिकों की वापसी की मंगलवार की समय- सीमा से पहले और हमले की आशंका है। अमेरिका अपनी जुबान का पक्का होने की कोशिश कर रहा है, लेकिन क्या तालिबान भी अपनी जुबान के पक्के हैं? अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भले ही कह दिया हो कि वह एक-एक मौत का बदला लेंगे, लेकिन यह भला कैसे होगा? क्या अमेरिका सीधी लड़ाई के बजाय छद्म लड़ाई के पक्ष में है? अगर ऐसी कोई लड़ाई छिड़ेगी, तो अफगानिस्तान ही तबाह होगा और इसका दुष्प्रभाव दुनिया झेलेगी। जो लोग सीधी लड़ाई में नहीं सुधरे, क्या वे चुन-चुनकर बदला लेने से सुधर जाएंगे? यह गौर करने की बात है कि तालिबान का दुस्साहस बढ़ा ही इसलिए है, क्योंकि अमेरिका लौट रहा है। यह हमला पश्चिमी देशों के लिए बड़ा सबक है, जो आतंकवाद के खिलाफ पूरी तरह ईमानदार नहीं रहे हैं। ईमानदारी होती, तो न तालिबान यूं काबुल पर चढ़ आते और न अमेरिकी सैनिक शहीद होते। अपने देश में लोकतंत्र सुनिश्चित रखना और दूसरे देशों में तानाशाही या ताकत के सामने घुटने टेक देना उदारता नहीं है। ऐसी ही कथित उदारता पाकिस्तान जैसे देशों में आतंकवाद के पालन-पोषण की वजह है। अब अफगानियों को अपनी मिट्टी के प्रति सजग होना चाहिए। जो समूह अभी भी तालिबान से लोहा ले रहे हैं, उनके साथ खड़े होने का वक्त है। अफगानियों को अपना हित देखना चाहिए। ऐसे नेता या राष्ट्रपति की जरूरत नहीं, जो डर के मारे खजाना समेटकर रातोंरात नौ दो ग्यारह हो जाए। यह अफगानी मिट्टी में पैदा बंदूकधारी कायरों को नहीं, बल्कि इंसानियत के प्रति सजग वीरों और उनके संगठनों को सही मायने में मजबूत करने का वक्त है। यह काम अमेरिका के नेतृत्व में दुनिया के लोग घर बैठे कर सकते थे और कर सकते हैं।

काबुल का असली गुनहगार कौन

सुशांत सरीन

काबुल जैसे हमले की आशंका पहले से थी। यह डर बना हुआ था कि अफगानिस्तान में फंसे विदेशी नागरिकों की सुरक्षित निकासी के अभियान को कहीं चोट न पहुंचाई जाए। भय न सिर्फ आतंकी हमले का था, बल्कि तालिबानी लड़ाकों द्वारा उल-जुलूल हरकतें करने का भी था, ताकि बनती बात बिगड़ न जाए। अमेरिका ने पहले ही चेतावनी दे रखी थी कि अगर तालिबान ने किसी को चोट पहुंचाई, तो वह पूरी ताकत के साथ उस पर हमला कर देगा। मगर लोगों के पलायन की जो तस्वीरें सामने आ रही थीं, वे साफ-साफ बता रही थीं कि संवेदनशील काबुल हवाई अड्डे पर सुरक्षा के इंतजाम नाकाफी हैं। ऐसे में, किसी भी तंजीम के लिए उस पर हमला करना कोई मुश्किल काम नहीं था। फिर भी, सवाल यह है कि हमलावर (जिनमें आत्मघाती भी थे) हवाई अड्डे तक पहुंचे कैसे? वह भी तब, जब हवाई अड्डे के रास्ते पर पिछले 10 दिनों से जगह-जगह डेरा डाले तालिबानी लड़ाके हर आने-जाने वाले की तलाशी ले रहे हैं और उनके दस्तावेज देख-जांच रहे हैं। जाहिर है, इन तमाम चौकियों को चकमा देकर कोई तब तक हवाई अड्डे के पास नहीं पहुंच सकता, जब तक उसे परोक्ष रूप से शह न मिली हो। तो यह खेल किसका है? यह समझने के लिए पिछले कुछ दिनों के घटनाक्रमों पर नजर डालना जरूरी है। बुधवार सुबह से ही अमेरिका, ब्रिटेन जैसे देश चेता रहे थे कि उनके पास आतंकी हमले का 'इनपुट' है। लिहाजा, वे अपने नागरिकों को हवाई अड्डा न आने या वहां से दूर चले जाने का संदेश भेज रहे थे। आखिर उनके पास यह सूचना आई कैसे? इसका जवाब तो फिलहाल नहीं मिल सका है, लेकिन आईएस-खुरासान गुट ने इन हमलों की जिम्मेदारी ली है। दिलचस्प है कि यह संगठन सीरिया वाले आईएस से नाममात्र का जुड़ा है। न तो इसे वहां से पैसे आते हैं, और न हथियार। कहने को यह आईएस का एक विलायत (चैप्टर) है, लेकिन संगठनात्मक रूप से शायद ही दोनों में कोई रिश्ता हो। इसका मूल जुड़ाव पाकिस्तान के आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) व अफगान तालिबान के साथ है। असली दिक्कत यह है कि इस खित्ते में जो भी दहशतगर्दी होती है, उसे सिक्के के दो पहलू की तरह देखा जाता है। ऐसा नहीं होना चाहिए। यहां तमाम तंजीमों के तार आपस में जुड़े हुए हैं। कभी ये एक-दूसरे से लड़ते हैं, तो कभी मदद करते हैं। ऐसे प्रमाण हैं कि आईएस व तालिबान ने आपस में मिलकर ऑपरेशन किए हैं और फिर अपने दूसरे दुश्मनों के साथ मिलकर एक-दूसरे के खिलाफ भी कार्रवाइयां की हैं। फिर, हक्कानी नेटवर्क पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के प्रभाव में काम करता है, लेकिन तालिबान के साथ भी जुड़ा है। उसके अल-कायदा और आईएस-खुरासान के साथ भी गहरे रिश्ते हैं। टीटीपी को भी उसने संरक्षण दे रखा है, जबकि आईएसआई की टीटीपी से अदावत है। जाहिर है, यहां आतंकी गुटों का पूरा ढांचा ही जटिल है। इसलिए उन्हें अलग-अलग करके देखना गलत होगा।

पाकिस्तान ने आईएस-खुरासान को अपने यहां पूरी बेदर्दी से कुचला, लेकिन अफगानिस्तान में उसे पनपने दिया। इसके दो कारण थे। पहला, 2014 में जब आईएस को तालिबान से बड़ा खतरा माना जा रहा था, तब उस दुष्प्रचार को पाकिस्तान ने भी खूब हवा दी। उसने पश्चिमी देशों के साथ यह कहना शुरू कर दिया कि तालिबान स्थानीय लड़ाके हैं, जबकि असली खतरा आईएस है। इसी बिना पर उसने अपने लिए पैसे भी जुटाए। उसकी मंशा थी कि अमेरिका और तालिबान में कोई समझौता हो जाए और तालिबान को सत्ता मिल जाए। वह तालिबान की स्वीकार्यता बढ़ाने और अमेरिका में उसके खिलाफ पनप रही नाराजगी को दूर करने में जुटा था। इससे अफगानिस्तान में उसके हित सध सकते थे। दूसरा कारण यह था कि अगर तालिबान से उसके रिश्ते खराब होते हैं, तो आईएस-खुरासान के जरिये वह उस पर नकेल कर सकेगा। लेकिन यह काम अफगानिस्तान के अंदर होता था। पाकिस्तान में आईएस-खुरासान पर पाबंदी थी। अब जब पाकिस्तान ने परोक्ष रूप से अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया है, तब वह पूरी दुनिया को इसके लिए मना रहा है कि यदि अमेरिका यहां से निकल जाएगा, तो दहशतगर्द फिर से सिर उठा सकते हैं, इसलिए उन पर लगाम लगाने के वास्ते उसे इमदाद दी जानी चाहिए। पाकिस्तान के पूर्व राजदूत ने बाकायदा इसके लिए एक लेख भी लिखा है कि दहशतगर्दों से निपटने के लिए अब और अधिक पूंजी की दरकार होगी।

बावजूद इसके दुनिया भर में पाकिस्तान के खिलाफ माहौल बन रहा था। अमेरिका में तो यहां तक कहा जा रहा था कि अफगानिस्तान में व्हाइट हाउस की नाकामी की वजह पाकिस्तान है, इसलिए उस पर प्रतिबंध लगना चाहिए और उसका बहिष्कार होना चाहिए। मगर अब काबुल की घटना के बाद माहौल पूरी तरह से बदल चुका है। चर्चा अब पाकिस्तान की असलियत की नहीं हो रही, बल्कि उसके साथ मिलकर काम करने की होने लगी है। जब काबुल पर तालिबानी कब्जे के तुरंत बाद आईएस ने कोई हरकत नहीं की, तो फिर भला अचानक वह इतना सक्रिय कैसे हो सकता है कि काबुल को सिलसिलेवार हमलों की चोट पहुंचाए? वह भी, उन गलियों से होकर, जिनमें हक्कानी और तालिबानी आतंकी दिन-रात पहरा दे रहे हैं। जाहिर है, इस पूरे घटनाक्रम का फायदा पाकिस्तान को मिलता दिख रहा है। अमेरिका अब कहने भी लगा कि वह तालिबान के साथ मिलकर काम करने को तैयार है। आवेश में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इन हमलों की जिम्मेदार ताकतों को सबक सिखाने की बात जरूर कही, लेकिन जब वह पाकिस्तान के साथ मिलकर काम करने को तैयार हैं, तो कैसे जिम्मेदारों को सबक सिखा सकेंगे? हां, यह हो सकता है कि आईएस-खुरासान के रंगरूटों ने ये हमले किए हों और हक्कानी का उन्हें साथ मिला हो, लेकिन वे सभी कठपुतली हैं। इन सबकी डोर तो पाकिस्तान के हाथ में है। अब होगा यह कि आतंकवाद से लड़ने के नाम पर पाकिस्तान को मदद मिलने लगेगी और तालिबान को भी मान्यता मिल जाएगी। इससे एक बार फिर पाकिस्तान की दुकान चल पड़ेगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

> तमाम चौकियों को चकमा देकर कोई तब तक हवाई अड्डे के पास नहीं पहुंच सकता, जब तक उसे परोक्ष रूप से शह न मिली हो। तो यह खेल किसका है?

तीसरी लहर ने बढ़ाई चिंता

वैश्विक महामारी कोरोना अभी भी कई मुल्कों के लिए चिंता का सबब बनी हुई है। भारत में आशंका जताई गई कि कोरोना का कहर सितम्बर और अक्टूबर महीने में दिखेगा। कोरोना के नये मामलों में जिस तरह की बढ़ोतरी देखी गई है उससे खुश होने की जरूरत नहीं है। सरकार भी यह मान रही है कि कोरोना की दूसरी लहर खत्म नहीं हुई है। खासकर केरल और महाराष्ट्र में जितनी तेजी से कोरोना के मरीज बढ़ रहे हैं, उसे लेकर सरकार और जनता दोनों को बेहद चौकन्ना रहना होगा। केरल में ओणम के त्योहार के बाद मामले काफी तीव्रता के साथ बढ़े हैं। देशभर में नये मामलों में अकेले 70 फीसद मामले केरल में दर्ज किए गए हैं। आंकड़ों के अनुसार देशभर में एक दिन में कोरोना संक्रमण के 44, 543 नये मामले दर्ज किए गए। चिंता की एक और बात यह है कि उपचाराधीन मरीजों की संख्या भी बढ़ रही है। दरअसल, ऐसा ही अनुमान कुछ दिनों पहले केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत आने वाला नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट (एनआईडीएम) ने अपने अध्ययन में लगाया था। एनआईडीएम ने तीसरी लहर के मद्देनजर मिल रही चेतावनियों पर अध्ययन कर कहा था कि इसका पीक अक्टूबर में हो सकता है। साथ ही यह भी कहा गया है कि इस बात के पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिले हैं कि बच्चों पर इस वायरस का असर ज्यादा होगाग लेकिन वायरस के फैलने से बच्चों में खतरा बढ़ सकता है क्योंकि भारत में बच्चों को टीके अब तक नहीं लगे हैं। यानी बच्चों को अगर तीसरी लहर के प्रकोप से बचाना है तो उनके लिए टीकाकरण का अभियान शुरू करना होगा। केरल का उदाहरण सामने रखते हुए सभी राज्य सरकारों को अक्टूबर और नवम्बर में होने वाले त्योहारों को लेकर सख्ती बरतने की जरूरत है। खासकर प. बंगाल, बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में दुर्गा पूजा और छठ पर्व के दौरान भारी भीड़ उमड़ती है। इस नाते सरकार को समय रहते ऐहतियात बरतने के उपाय तलाश लेने होंगे। कोरोना को मात देने में टीकाकरण ही अंतिम अस्त्र रहा है। इसलिए सरकार को ज्यादा-से-ज्यादा लोगों को टीका लगाना होगा। सरकार ने टीकाकरण को रफ्तार दी है इसके बावजूद इस साल दिसम्बर तक वह अपने लक्ष्य को नहीं छू सकेगी। क्योंकि इसके लिए प्रतिदिन 1 करोड़ लोगों को टीका लगाना होगाग जो काफी कठिन है। कुल मिलाकर खतरा अभी भी खत्म नहीं हुआ है।

जलवायु परिवर्तन

प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन रोकें

ज्ञानेन्द्र रावत

हाल ही में जापान में एशिया प्रशांत सप्ताह का समापन इस संदेश के साथ हुआ कि जलवायु परिवर्तन की समस्या के समाधान की दिशा में नवम्बर 2021 में ग्लासगो में आहूत संयुक्त राष्ट्र के जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में किये जाने वाले क्षेत्रीय प्रयास सफलता में महत्वपूर्ण योगदान कर सकते हैं। आईपीसीसी की हालिया रिपोर्ट भी इस तथ्य को प्रमाणित करती है कि मानव गतिविधियां, पूर्व औद्यौगिक स्तर से वर्तमान में 1.0 डिग्री ग्लोबल वार्मिंग बढ़ने का प्रमुख कारण रही हैं। यदि यह इसी दर से बढ़ती रही तो 2030 से 2052 के बीच यह 1.5 डिग्री हो जायेगी।

इसके चलते भूमि और महासागरों के औसत तापमान में बढ़ोतरी होगी। कई क्षेत्रों में भारी वर्षा होगी, भयंकर सूखे के हालात पैदा होंगे, समुद्री जलस्तर बढ़ेगा, इससे तटीय समुद्री द्वीप व निचले तटीय देश सर्वाधिक प्रभावित होंगे और डेल्टाई क्षेत्र डूबने के कगार पर पहुंच जायेंगे। जैव विविधता की हानि होगी, जमीन की उर्वरा शक्ति प्रभावित होगी, प्रजातियों की विलुप्ति की दर में और समुद्री जल में अम्लता की दर में तेजी से बढ़ोतरी होगी। आर्कटिक की बर्फ पिघलने की दर तेजी से बढ़ेगी और मत्स्य पालन में भारी नुकसान होने की आशंका बलवती होगी। कोरल व मूंगा की चट्टानें के नष्ट होने की दर में बढ़ोतरी होगी। साल 2100 तक 1.5 डिग्री तक ग्लोबल वार्मिंग रोकने के लिए 100 से 1000 गीगाटन के बीच कार्बन डाईआक्साइड को घटाना होगा।

असल में यह रिपोर्ट कृषि अपशिष्ट, कोयला खनन, मीथेन पर एक नये विज्ञान को समझने की बेहद जरूरत का खुलासा करती है। इसे अभी तक लगभग एक-चौथाई वैश्विक तापमान के लिए जिम्मेदार होने के बावजूद नीति निर्माताओं ने बड़े पैमाने पर नजरअंदाज किया है। सबसे बड़ी बात यह है कि वैश्विक तापमान वृद्धि से लम्बे समय से बचने का एक तरीका नवीकरणीय ऊर्जा की ओर जाना है।

यह कटु सत्य है कि एशिया प्रशांत क्षेत्र दुनिया में ग्रीन हाउस गैसों के आधे से अधिक उत्सर्जन के लिए जिम्मेवार है। इसे यदि वैश्विक आबादी के स्तर पर देखें तो यह वैश्विक आबादी के एक महत्वपूर्ण अनुपात के साथ दुनिया के सबसे अधिक तेजी से विकासशील क्षेत्रों में से एक है। गौरतलब यह है कि इसी क्षेत्र में ऐसे बहुतेरे छोटे-छोटे द्वीप हैं, जिनका अस्तित्व आज समुद्री जल स्तर में बढ़ोतरी के चलते खतरे में है।

जलवायु सप्ताह के अंत में जापान के पर्यावरण मंत्रालय के उपमहानिदेशक सुश्री केइको सेगावा ने कहा कि एशिया प्रशांत क्षेत्र को दुनिया के डिकार्बनाइजेशन के लिए एक प्रमुख भूमिका निभानी चाहिए।' आज जलवायु परिवर्तन का दुष्प्रभाव समूची दुनिया के लिए भीषण समस्या है। दरअसल जलवायु परिवर्तन आज एक ऐसी अनसुलझी पहेली है, जिससे हमारा देश ही नहीं, समूची दुनिया जूझ रही है। जलवायु परिवर्तन और इससे पारिस्थितिकी में आये बदलाव के चलते जो अप्रत्याशित घटनाएं सामने आ रही हैं, उसे देखते हुए इस बात की प्रबल संभावना है कि इस सदी के अंत तक धरती का काफी हद तक स्वरूप ही बदल जायेगा। इस विनाश के लिए जल, जंगल और जमीन का अति दोहन जिम्मेवार है। बढ़ते तापमान ने इसमें अहम भूमिका निभाई है। वैश्विक तापमान में यदि इसी तरह बढ़ोतरी जारी रही तो इस बात की चेतावनी तो दुनिया के शोध अध्ययन बहुत पहले ही दे चुके हैं कि आने वाले समय में विश्व में 2005 में दक्षिण अमेरिका में तबाही मचाने वाले आये कैटरीना नामक तूफान से भी भयानक तूफान आयेंगे। सूखा और बाढ़ जैसी घटनाओं में बेतहाशा बढ़ोतरी होगी।

तापमान में बढ़ोतरी की रफ्तार इसी गति से जारी रही तो धरती का एक-चौथाई हिस्सा रेगिस्तान में तबदील हो जायेगा। दुनिया में भयंकर सूखा पड़ेगा। इससे दुनिया के 150 करोड़ लोग सीधे प्रभावित होंगे। इसका सीधा असर खाद्यान्न, प्राकृतिक संसाधन, और पेयजल पर पड़ेगा। अधिसंख्य आबादी वाले इलाके खाद्यान्न की समस्या के चलते खाली हो जायेंगे और बहुसंख्य आबादी ठंडे प्रदेशों की ओर कूच करने को बाध्य होगी। अनउपजाऊ जमीन ढाई गुणा से भी अधिक बढ़ जायेगी। इससे बरसों से सूखे का सामना कर रहे देश के 630 जिलों में से 233 को ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ेगा। तात्पर्य यह कि देश में पहले से सूखे के संकट में और इजाफा होगा। ऐसी स्थिति में जल संकट बढ़ेगा।

समस्या यह है कि हम अपने सामने के खतरे को जानबूझ कर नजरअंदाज करते जा रहे हैं जबकि हम भली भांति जानते हैं कि इसका दुष्परिणाम क्या होगा? इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि सरकारों की इस ओर किसी किस्म की सोच ही नहीं है। निष्कर्ष यह कि जब तक जल, जंगल और जमीन के अति दोहन पर अंकुश नहीं लगेगा, तब तक जलवायु परिवर्तन से उपजी चुनौतियां बढ़ती ही चली जायेंगी और उस दशा में जलवायु परिवर्तन के खिलाफ संघर्ष अधूरा ही रहेगा।

कटाक्ष/ कबीरदास

पर ड़ंका तो बज रहा है

भाई ये तो विरोधियों की सरासर बेईमानी है। इंडिया की सेल का डंका बज रहा है। पूरे छह लाख करोड़ की सेल का डंका बज रहा है। आजादी के पचहत्तरवें साल के उद्घाटन की सेल का डंका बज रहा है। देश में ही नहीं, विदेश तक में सेल का डंका बज रहा है। पर विरोधी हैं कि मानकर ही नहीं दे रहे हैं कि दुनिया में नये इंडिया वाले मोदी जी का डंका बज रहा है। कहते हैं-सेल का डंका बजना भी कोई डंका बजना है, लल्लू! पर विरोधियों की ये बेईमानी मोदी जी के आगे चलने वाली नहीं है।

विपक्ष वाले अगर डंका बजने से इनकार कर सकते हैं, तो मोदी वाले सेल होने से ही इनकार क्यों नहीं कर सकते हैं। विरोधी डाल-डाल, तो मोदी राज पात-पात। निम्मो ताई ने साफ कह दिया है कि कहीं कोई सेल है ही नहीं। फिर विरोधी किस डंके के सुनाई न देने का शोर मचा रहे हैं? माना कि सरकार के पास जो-जो है, सब दिया जा रहा है। सत्तर साल में जब देश में कुछ नहीं हुआ, तब जो कुछ बना था, वही सब दिया जा रहा है।

सड़क, हवाई अड्डा, बंदरगाह, रेल की पटरी, रेलवे स्टेान, गैस पाइपलाइन, टेलीकॉम टावर, स्टेडियम, वगैरह सब; यों समझ लीजिए कि पुराने राष्ट्रपति भवन और संसद भवन तथा मोदी भवन को छोड़कर, सब कुछ दिया जा रहा है। निजी कंपनियों को दिया जा रहा है। और सेंत-मेंत में नहीं, बाकायदा पैसे लेकर दिया जा रहा है, लेकिन यह कम दामों वाली सेल तो क्या बिक्री तक नहीं है। इसे देश बेचना कहने वाले नासमझ हैं बल्कि एंटी-नेशनल हैं, जो नये इंडिया की तरक्की देखना नहीं चाहते हैं। मोदी जी की सरकार बिक्री करना भी जानती है और कर के भी दिखाएगी। लेकिन, यह बिक्री कतई नहीं है। किस्तों में बिक्री भी नहीं। यह तो मासूम सा मुद्रीकरण हैग जी।

वैसे मोदी जी के राज का डंका नाम बदलने के लिए भी बज रहा है। देखा, अंगरेजी की सेल का नाम बदलकर कैसे मुद्रीकरण कर दिया, ठेठ संस्कृत में। किसी भी बहाने से बजे, डंका बजना चाहिए। रही बिकने की बात, तो पुराना बिकेगा, तभी तो नया इंडिया दिखेगा!

अफगानिस्तान

भारत को बनानी होगी समग्र नीति

अशोक कु. चौधरी

अफगानिस्तान पर एक ठोस राष्ट्रीय नीति तैयार करने के लिए अफगान जनता की भावनाओं को समझना बहुत जरूरी है। दरअसल, अफगान अपने समृद्ध इतिहास पर गर्व करते हैं और स्थानीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय भू-रणनीतिक गणना के प्रति पूरी तरह से जागरूक हैं। वे भारत के साथ ऐतिहासिक संबंधों और उत्तरी गठबंधन के दिनों से उनके हाल के घनिष्ठ संबंधों को मान्यता देते हैं। वे भारतीय सहायता की दिल से सराहना करते हैं और अपना विश्वास भी प्रकट करते हैं। जब भी पश्चिमी देश और अब चीन क्षेत्रीय त्रिकोण की बात करते हैं तो वह मुख्य रूप से पाकिस्तान केंद्रित होता हैग लेकिन अफगानों ने कभी पाकिस्तान पर भरोसा नहीं किया।

पाकिस्तान का राजनीतिक संकल्प हमेशा अफगानिस्तान को एक कमजोर 'पख्तून' राज्य बनाने का रहा हैग जो पूरी तरह से पाकिस्तान पर निर्भर हो। वास्तव में भारतीय प्रभाव के तहत पाकिस्तान किसी भी मजबूत अफगान सरकार के बजाय एक अस्थिर अफगानिस्तान को प्राथमिकता देगा। जहां तक पाकिस्तान का नजरिया है तो वह हमेशा तालिबान का पोषण किया है और चतुराई से पश्चिम को यह सुनिश्चित करने के लिए प्रबंधित किया है कि अफगानिस्तान कभी भी अपने रक्षा बलों और अर्थव्यवस्था के मामले में क्षमता निर्माण नहीं कर सकता है। अफगान संघर्ष में पश्चिम का प्रबंधन करते हुए, पाकिस्तान ने अपनी छद्म संपत्ति को बरकरार रखा और सहयोगी होने का आभास देने की भी कोशिश की। कई गरीब किसान तालिबान के लिए लड़ रहे हैं तो वह किसी वैचारिक कारण से नहीं बल्कि भय या धन लाभ के कारण। ये कट्टर तालिबान नहीं हैं और स्थिति में सुधार होने पर इन आकस्मिक तालिबान को फिर से जोडव जा सकता है। अमेरिका को अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच चयन करना हो तो अमेरिका अब भी अपने कथित भू-रणनीति के हितों के अनुरूप पाकिस्तान का चयन करेगा। अफगानों के मन में यह प्रबल भावना है कि तालिबान भारत, ईरान और अफगानिस्तान के लिए साझा खतरा है। तालिबान के साथ जुड़ाव की दिशा में चीन और रूस के प्रवेश के साथ भारत का अपना रणनीतिक हित सबसे आगे होना चाहिए और एक सक्रिय, निश्चित रुख अपनाना चाहिए। वर्तमान अफगान दलदल में है। समय महत्वपूर्ण है और हमें यह देखना होगा कि घटनाओं के संभावित मोडद से भारतीय हित विचलित न हों। इसलिए भारत सरकार स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए एक कार्ययोजना तैयार करे।

अफगानिस्तान में भारत का बड़ा दांव है। सैन्यग कूटनीति के साथ-साथ आर्थिक प्रयासों को शामिल करते हुए कार्ययोजना को बहुआयामी बनाना होगा। किसी भी विशिष्ट विकल्प की खोज करने से पहले भारत को यह महसूस करने की आवश्यकता है कि उसे पूरी तरह से अफगान सरकार (जो भारत के अनुकूल है) का समर्थन करना चाहिए और न केवल अफगानिस्तान में सक्रिय कदम उठाना चाहिए बल्कि चीन और पाकिस्तान को एक बार फिर से काम करने के लिए एक बहु-आयामी मैट्रिक्स विकसित करना चाहिए। ऐसे परिवेश में भारत के हाशिए पर जाने और सहायता और पुनर्निर्माण परियोजना के प्रावधान के लिए एजेंसी के रूप में प्रक्रिया से बाहर होने से पहले एक सक्रिय अफगान नीति तैयार करनी होगी। साथ ही अफगान लोगोंग विशेषकर युवा पीढ़ी की धारणा को आकार देना होगा।

भारत को अफगान लोगों की सद्भावना को भुनाना चाहिए और शिक्षा, इंजीनियरिंग प्रशिक्षण, अंग्रेजी और कम्प्यूटर प्रशिक्षणग और चिकित्सा सहायता में परियोजनाओं की योजना और निष्पादन करना चाहिए ताकि दोनों देशों को लाभ हो। हमें काबुल के पास के प्रांत में से एक को अपनाकर एक साहसिक कदम उठाना चाहिए। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अफगान सेना और उसके रक्षा मंत्रालय के साथ समन्वय की आवश्यकता होगी। हम इस तथ्य को भी नहीं भूल सकते हैं कि मध्य एशियाई क्षेत्र में बड़ी इस्लामी आबादी की उपस्थिति जो हिंद महासागर में जाने के लिए पाकिस्तान की ओर देख रही है, और पाकिस्तान से प्रभावित हो सकती है। एक मजबूत और स्थिर अफगानिस्तान जो पाकिस्तान के लिए शत्रु है; वह अफगान सीमा पर पाकिस्तानी सेना को साध के रखेगा और इसके परिणामस्वरूप हमारे युद्ध की क्षमता को बढवएगा। हमें अफगानिस्तान में 'इनवेस्ट एंड एनड्योर' करने की जरूरत है। यह एक पत्थर से दो पक्षियों को मारने का अवसर है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बैंक हॉलिडे लिस्टःसितंबर में 12 दिन बैंकों में नहीं होगा कामकाज

नई दिल्ली। सितंबर में बैंकों में 12 दिन कामकाज नहीं होगा। इसका कारण ये है कि महीने में 2 शनिवार (दूसरा और चौथा) और 4 रविवार हैं। इस दिन बैंक बंद रहेंगे। इनके अलावा RBI ने सितंबर में देश के अलग-अलग राज्यों में बैंकों के लिए 6 छुट्टियां तय की हैं। हम आपको इनके बारे में बता रहे हैं ताकि आप समय पर बैंक से जुड़े अपने काम सही समय पर निपटा सकें।आज से लगातार 4 दिन बंद रहेंगे बैंक आज से लगातार 4 दिन बैंक बंद रहेंगे। इस महीने के आखिरी हफ्ते में 28 से 31 अगस्त तक बैंकों में कामकाज नहीं होगा। 28 अगस्त को इस महीने का चौथा शनिवार होने के कारण बैंक की छुट्टी रहेगी। 29 अगस्त को रविवार है, जिसके चलते पूरे देश के सभी बैंक बंद रहेंगे, वहीं, 30 अगस्त 2021 श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में देश के अधिकतर शहरों में बैंक बंद रहेंगे।

इसके अलावा कई जगहों पर 31 अगस्त को जन्माष्टमी मनाई जाएगी। इस कारण वहां 31 अगस्त को भी चुनिंदा शहरों में बैंक बंद रहेंगे। हालांकि, ये छुट्टियां राज्यों के हिसाब से रहेंगी।

गोल्ड-सिल्वर वीकली अपडेटःइस हफ्ते सस्ता हुआ सोना, लेकिन चांदी हुई महंगी; 47 हजार के करीब आए सोने के दाम

नई दिल्ली। इस हफ्ते सोने की कीमत में गिरावट आई है। ज्वैलरी संगठन इंडिया बुलियन एंड जूलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार इस हफ्ते की शुरुआत में सोना 47,306 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था जो अब 47,149 रुपए पर आ गया है। यानी इस हफ्ते सोना 157 रुपए सस्ता हुआ है।महंगी हुई चांदी

इस हफ्ते भले ही सोने की कीमत में गिरावट आई हो लेकिन चांदी की कीमत में बढ़त देखने को मिली है। इस हफ्ते ये 736 रुपए महंगी होकर 62,938 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इस हफ्ते की शुरुआत में ये 62,202 रुपए पर थी। 1 अगस्त को सोना 48,105 रुपए पर था जो अब 47,149 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। यानी इस महीने में सोना अब तक 956 रुपए सस्ता हो गया है। वहीं चांदी की बात करें तो ये 4,998 रुपए सस्ती होकर 62,938 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है।

1 साल में 9 हजार रुपए सस्ता हुआ सोना

पिछले साल कोरोना की पहली लहर के दौरान लोगों ने सोने में जमकर निवेश किया था। इसके चलते सोना अगस्त 2020 में 56,200 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया था। अब सर्राफा बाजार में सोना 47,149 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। यानी अब भी 9,051 रुपए सस्ता मिल रहा है।

दुनिया के सबसे सफल सीईओ बने टिम कुकः जेफ बेजोस, जकरबर्ग और वॉरेन बफे को भी पीछे छोड़ा

नई दिल्ली। एपल, यानी टेक की दुनिया में बेस्ट का पर्याय। उसके सीईओ टिम कुक ने इसे लगातार साबित किया है। वो फिर से चर्चा में हैं। वजह, बतौर एपल सीईओ उनका 10 साल का सफर पूरा हो चुका है और वे दुनिया के सबसे कामयाब सीईओ घोषित किए गए हैं। टिम कुक ने 24 अगस्त 2011 को एपल की कमान संभाली थी। तब कंपनी का रेवेन्यू 65 अरब डॉलर, यानी करीब 4.7 लाख करोड़ रुपए था। पिछले 10 साल में उन्होंने एपल को 2 लाख करोड़ डॉलर, यानी 148 लाख करोड़ रुपए की कंपनी बना दिया है। कंपनी का मौजूदा मार्केट कैप 190.18 लाख करोड़ रुपए है। कमाई के मामले में कुक ने अमेजन के सीईओ रह चुके जेफ बेजोस और वॉरेन बफे को पीछे छोड़ दिया है। उनकी अपनी संपत्ति भी एक अरब डॉलर, यानी 7400 करोड़ रुपए को पार कर गई है।

फैसलाः एलआईसी का आईपीओ लाने के लिए चुने गए 10 मर्चेंट बैंकर

अगले महीने होगा नामों का एलान

नई दिल्ली। सरकार ने एलआईसी आईपीओ बेचने की कवायद तेज कर दी है। इस सिलसिले में केंद्र ने 10 मर्चेंट बैंकरों को चयनित किया है। सितंबर में इनके नामों के एलान की संभावना है।

आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने पिछले महीने एलआईसी के आईपीओ प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। आईपीओ का संभावित साइज भारतीय बाजारों में बड़ा होने की उम्मीद है। सरकार ने अब तक की

सबसे बड़ी पेशकश के लिए मर्चेंट बैंकरों का चुनाव किया है।

सूत्रों के मुताबिक, सरकार ने जिन नामों को शॉर्टलिस्ट किया है, उनमें एसबीआईकैप्स, गोल्डमैन सैक्स, कोटक महिंद्रा कैपिटल, सिटीग्रुप, बीओएफए सिक्योरिटीज, एक्सिस कैपिटल, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, जेपी मॉर्गन, जेएम फाइनेंशियल, नोमुरा समेत अन्य बैंक शामिल हैं । शीर्ष अधिकारी ने बताया कि आईपीओ से पहले का काम शुरू हो चुका है और हम सितंबर तक निवेशकों को इस ओर लाने के लिए नामों का एलान करेंगे।

आर्थिक सुधारः रोजगार पर पड़ा असर, जून में बढ़ीं नौकरियां

नई दिल्ली। महामारी की दूसरी लहर के बाद जून में नौकरियों के मोर्चे पर काफी सुधार हुआ है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के मुताबिक, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) व राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के नए ग्राहकों की संख्या में इजाफा हुआ है।

मई में नए ग्राहकों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई थी। ईपीएफओ, ईएसआईसी और एनपीएस के तहत नए नामांकन रोजगार सृजन के संकेत हैं। दरअसल, रोजगार बाजार पर महामारी के प्रभाव को देखते हुए सरकार ने 2020 में ईपीएफ सब्सिडी योजना व आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना की घोषणा की थी। इससे रोजगार बढ़ाने में मदद मिली।?

संगठन	जून	मई	अप्रैल
ईपीएफओ	8.10	6.19	7.63
ईएसआईसी	10.44	8.83	10.68
एनपीएस	0.78	0.50	0.55

फैसलाः टेक्सटाइल इंडस्ट्री को बढ़ावा देने की रफ्तार तेज, कपड़ा मंत्रालय ने पीएलआई के प्रस्ताव पर लगाई मुहर

नई दिल्ली। कपड़ा क्षेत्र को गति देने के लिए मंत्रालय ने अहम फैसला लिया है। कपड़ा मंत्रालय ने उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन या पीएलआई योजना के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। मंत्रालय के वरिष्ठ सूत्रों ने कहा कि इस प्रस्ताव पर शुक्रवार को मुहर लगी है और इसे जल्द ही केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी के लिए भेजा जा सकता है। सरकार ने सुस्त पड़े टेक्सटाइल इंडस्ट्री को बढ़ावा देने या पुनर्जीवित करने के लिए जुलाई में 10,680 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की थी। सरकार इन पैसों से परिधान को बढ़ावा देने, रोजगार और निर्यात क्षमता को मजबूत करने का लक्ष्य रखा है।

ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड में निवेश की संभावनाःउत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का मुख्य फोकस मानव निर्मित फाइबर (एमएमएफ) के तहत 40 प्रोडक्ट श्रेणियों और तकनीकी वस्त्रों के तहत 10 उत्पाद श्रेणियों पर होगा। पीएलआई योजना के लागू होने से ग्रीनफील्ड (नई कंपनियां स्थापित

की जा रही हैं) और ब्राउनफील्ड (कंपनियां जो पहले से ही परिचालन में हैं) में निवेश को प्रोत्साहन मिलने की संभावना है।

सूत्रों ने बताया कि पीएलआई योजना को फोकस प्रोडक्ट इंसेंटिव स्कीम (एफपीआईएस) के जरिए मानव निर्मित फाइबर और टेक्निकल टेक्सटाइल सेक्टर में पांच साल के लिए निर्धारित इंक्रीमेंटल टर्नओवर पर 3 फीसदी से 15 फीसदी तक प्रोत्साहन देकर वैश्विकस्तर पर ले जाने का मकसद है।

कपड़ा और परिधान क्षेत्र के लिए पैकेजः दरअसल, कपड़ा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार जब से सत्ता में आई तब से आगे बढ़ाने में जुटी है। सरकार ने इस क्षेत्र के लिए जून 2016 में विशेष पैकेज का एलान किया था, जिसके तहत 6,000 करोड़ रुपये दिए गए थे। इन पैसों से परिधान और मेड अप सेगमेंट में रोजगार और निर्यात क्षमता को बढ़ावा दिया गया था।

कपड़ा उद्योग से जुड़े हैं करीब 6 करोड़ लोग

गौरतलब है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में टेक्सटाइल इंडस्ट्री का बड़ा योगदान है। कृषि के बाद कपड़ा उद्योग या उत्पादन से बड़ी संख्या में लोग जुड़े हुए हैं। आंकड़ों पर गौर करें तो प्रत्यक्ष रूप से 4.5 करोड़ और अप्रत्यक्ष रूप से 6 करोड़ लोग इस इंडस्ट्री में काम करते हैं।

आईबीसी कानून : सीईए ने कहा- आईबीसी ने खत्म किया कॉरपोरेट कर्जदारों का दबदबा

नई दिल्ली। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) केवी सुब्रमण्यन ने कहा कि दिवालिया ऋणशोधन अक्षमता कानून (आईबीसी) लागू होने के बाद कॉरपोरेट कर्जदारों का दबदबा (सामंतवाद) खत्म हो गया। इससे पहले कर्जदार कंपनियों पर नियंत्रण को अधिकार मानते थे। आईबीसी 2016 में लागू हुआ था। उद्योग मंडल सीआईआई की ओर से 'आईबीसी के 5 साल, विषय पर कार्यक्रम में सीईए ने कहा कि यह साफ है कि अब सामंतवाद वापस नहीं आएगा। सामंतवाद कभी अच्छा नहीं होता, बल्कि पूंजीवादी व्यवस्था में यह सबसे खराब है।

आईबीसी के तहत जब कोई कंपनी कर्ज समाधान के लिए आती है, तो कर्जदाताओं का समूह अपनी न्यूनतम राशि तय करता है। अगर समाधान नहीं हो पाता, तो कंपनी को बेचकर पैसे वसूले जाते हैं।?इससे पहले तक कॉरपोरेट?जगत से कर्ज वसूलना टेढ़ी खीर माना जाता था। हालांकि, इसी सफलता में सभी को योगदान देना होगा।?

आरबीआई और मंत्रालय मिलकर बना रहे सीओसी

कॉरपोरेट मामलों का मंत्रालय आईबीसी

के तहत लेनदारों की समिति (सीओसी) के संचालन के मुद्दे पर वित्त मंत्रालय, आरबीआई और भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के साथ मिलकर काम कर रहा है। यह जानकारी कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के सचिव राजेश वर्मा ने दी।

हालांकि, इस संबंध में विस्तार से नहीं बताया। उन्होंने कहा कि हम दिवालिया ढांचे को अधिक प्रभावी और कुशल बनाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। यह निश्चित रूप से भारत के 50 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की सफलता की कहानी के अहम अध्यायों में एक होगा।

5.5 लाख करोड़ के 17,837 मामले सुलझे

वाणिज्य सचिव राजेश वर्मा ने बताया कि जुलाई, 2021 तक आईबीसी के तहत प्रारंभिक स्तर पर ही 5.5 लाख करोड़ के 17,837 मामले सुलझाए जा चुके हैं। 2016 में शुरू हुई इस प्रक्रिया के तहत समयबद्ध तरीके से कंपनियों के कर्ज का समाधान होता है। 2021 में जुलाई तक 4,570 मामले आए, जिनमें समीक्षा के स्तर पर ही 657 विवाद का समाधान हो चुका है। इसके अलावा 466 मामले वापस ले लिए गए, जबकि 404 को समाधान के लिए भेजा गया है।

व्हीकल रजिस्ट्रेशन की नई सीरीजः राज्य बदलने पर नहीं ट्रांसफर करानी होगी गाड़ी, सरकार ने शुरू की 'भारतध सीरीज

नई दिल्ली। अगर आपको नौकरी के लिए बार-बार राज्य बदलना पड़ता है, तो अब अपनी गाड़ी के ट्रांसफर को लेकर परेशान नहीं होना पड़ेगा। सरकार ने नए राज्य में गाड़ी का रजिस्ट्रेशन फिर से कराने की जरूरत खत्म करने के लिए नया रजिस्ट्रेशन मार्क- भारत सीरीज शुरू किया है। 26 अगस्त को जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक, भारत सीरीज में नई गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन कराया जा सकेगा।

अभी क्या होता है?

दूसरे राज्य में गाड़ी ले जाने पर मोटर व्हीकल एक्ट 1988 के तहत एक साल के भीतर वहां उसका रजिस्ट्रेशन कराना होता है। गाड़ी मालिक को नए राज्य में रजिस्ट्रेशन कराने के लिए पुराने राज्य से NOC लेना पड़ता है। उसके बाद उन्हें नए राज्य में प्रो राटा बेसिस पर रोड टैक्स देना पड़ता है। फिर पुराने राज्य से रोड टैक्स रिफंड लेना पड़ता है, जिसका प्रोसेस बहुत थकाऊ होता है।

किनको मिलेगा लाभ?

भारत सीरीज में गाड़ी का रजिस्ट्रेशन कराने की सुविधा डिफेंस पर्सनल, केंद्र सरकार/राज्य सरकार के एम्पलॉयी, सेंट्रल/स्टेट पीएसयू और निजी क्षेत्र की कंपनियों और संस्थानों को स्वैच्छिक रूप से दी गई है। निजी क्षेत्र की उन कंपनियों और संस्थानों के कर्मचारी यह सुविधा ले सकते हैं जिनके दफ्तर चार या ज्यादा राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में हैं।

निवेशकों को फिर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की चेतावनी, इन एजेंटों से रहें सतर्क

नई दिल्ली। देश के प्रमुख शेयर बाजार एनएसई ने निवेशकों को अपनी चेतावनी दोहराई है। उसने निवेशकों से कहा कि वे सिर्फ पंजीकृत शेयर दलालों से ही सौदे करें। हाल में अपंजीकृत संस्थाओं द्वारा भोले-भाले निवेशकों को अत्यधिक रिटर्न के झूठे वादे करके फंसाने की घटनाएं सामने आने के बाद यह सलाह दी गई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने एक बयान में निवेशकों से कहा कि वे किसी भी सुनिश्चित या गारंटी वाली डील के समझौते के तहत शेयर दलालों को धन या प्रतिभूति ट्रांसफर न करें। एनएसई ने कहा कि निवेशकों को सलाह दी जाती है कि वे केवल सेबी में पंजीकृत शेयर दलालों के साथ ही सौदे करें और उक्त इकाई के पंजीकरण विवरण की जांच करें। शेयर बाजार ने निवेशकों को आगाह किया कि वे सेबी में पंजीकृत शेयर दलालों के अलावा किसी दलाल के सहयोगी सहित किसी भी अन्य व्यक्ति को कारोबार के लिए धन ट्रांसफर न करें। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने इस हफ्ते की शुरुआत में भी निवेशकों को सलाह दी थी कि उन्हें अनियंत्रित ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म द्वारा पेश किए।

ई-कॉमर्स से ठप हो रहे व्यापारः त्योहारी सीजन में ऑनलाइन बाजार की धूम तो खुदरा व्यापारियों को ग्राहकों का इंतजार

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन में बाजार तेजी पकड़ रहा है, लेकिन सबसे ज्यादा तेजी ऑनलाइन बाजार में ही दिखाई पड़ रही है। मोबाइल से लेकर कपड़े और एसेसरीज के बाजार में ऑनलाइन कंपनियां अब लगभग एकाधिकार की ओर बढ़ती दिख रही हैं, जबकि कोरोना काल के इसी मंदी के सीजन में खुदरा व्यापारियों को अभी भी ग्राहकों का इंतजार है। खुदरा व्यापारियों का कहना है कि अगर सरकार ने ऑनलाइन व्यापार में चल रही अवैध व्यापारिक गतिविधियों पर अंकुश नहीं लगाया तो इससे देश के 12 करोड़ के खुदरा व्यापार को तगड़ा झटका लग सकता है और करोड़ों व्यापारी तबाह हो सकते हैं। इससे करोड़ों लोगों की रोजी-रोटी पर सीधा असर पड़ने की संभावना भी जताई जा रही है। अनुमान है कि भारत में इस समय ऑनलाइन कंपनियों का बाजार 75 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। जिस गति से बाजार आगे बढ़ रहा है, आर्थिक विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगले तीन सालों में यह 100 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। ऑनलाइन बाजार जितनी तेजी से बढ़ रहा है, इसे सीधे तौर पर खुदरा व्यापारियों के नुकसान के तौर पर देखा जा रहा है।

कैट जैसे व्यापारिक संगठनों का दावा है कि उसके साथ आठ करोड़ से ज्यादा खुदरा विक्रेता जुड़े हैं। जबकि पूरे देश में खुदरा व्यापार में लगभग 12 करोड़ व्यापारी काम कर रहे हैं। यदि एक दुकान पर एक व्यापारी के साथ एक भी सहायक होने का औसत पर देखें तो इस प्रकार लगभग 24-25 करोड़ लोगों को खुदरा व्यापार क्षेत्र नौकरी देता है। बड़ी दुकानों को जोड़ने के बाद यह संख्या 30 करोड़ को भी पार कर जाती है। भारी संख्या में कामगरों वाले देश भारत में यह क्षेत्र बड़ी आबादी को रोजगार उपलब्ध कराने का माध्यम बना हुआ है।

ऑनलाइन कंपनियों पर सबसे बड़ा आरोप यही है कि वे रोजगार छीन रही

हैं। ऑनलाइन बाजार बढ़ने से खुदरा व्यापारियों का बाजार घट रहा है। इससे खुदरा व्यापारियों का घाटा और बेरोजगारी बढ़ रही है। ऑनलाइन बाजार का सबसे गहरा असर मोबाइल और कपड़े बेचने वाली दुकानों पर पड़ा है। अनुमान है कि देश में बिक रहे कुल मोबाइल का 50 फीसदी से ज्यादा और कपड़ों के बाजार में एक तिहाई से ज्यादा ऑनलाइन खरीदी-बेची जा रही है। टेक्सटाइल क्षेत्र में भारी संख्या में लोगों के रोजगार प्रभावित होने की बात सामने आ रही है जो चिंताजनक स्थिति पैदा करती है।

हालांकि, ऑनलाइन कंपनियों ने बड़ी संख्या में रोजगार देने की बात कही है। अमेजन ने अगले तीन सालों में 10 लाख नई नौकरियां देने और एक करोड़ नए भारतीय व्यापारियों को ऑनलाइन मंच उपलब्ध कराने की बात कही है। रिलायंस कंपनी ने भी देसी व्यापारियों को ऑनलाइन मंच उपलब्ध कराने और उनका रोजगार आगे बढ़ाने का अवसर देने की बात कही है।

सफल नहीं रहा ये प्रयोग

व्यापारियों के संगठन कैट ने ऑनलाइन बाजार का मुकाबला करने के लिए देश के व्यापारियों को ऑनलाइन मंच पर एक साथ लाकर बहुराष्ट्रीय कंपनियों को टक्कर देने की बात कही थी। इसके लिए ईलाला.कॉम की शुरुआत की थी। लेकिन खुदरा व्यापारियों की ऑनलाइन बाजार से तालमेल न बिठा पाने के कारण यह प्रयोग सफल नहीं हुआ।

व्यापारियों के संगठन कैट के राष्ट्रीय सचिव सुमित अग्रवाल ने अमर उजाला को बताया कि उनका संगठन जल्द ही 'भारत-ई-मार्केट' की शुरूआत करने जा रहा है। इसमें खुदरा व्यापारियों को दुकानों के माध्यम से खरीदारी-बिक्री करने के साथ-साथ ऑनलाइन माध्यम से वस्तुओं को बेचने का अवसर मिल सकेगा। इसमें देश के किसी भी हिस्से में खड़ा ग्राहक एक एप के सहारे किसी वस्तु की खरीद के लिए उस वस्तु को बेचने वाली अपने आसपास की सभी दुकानों को देख सकेगा। वह दुकान पर पहुंचकर खरीद कर सकेगा, और चाहे तो ऑनलाइन माध्यम से खरीद भी कर सकेगा। प्रयोग के तौर पर इसकी शुरूआत रायपुर से की जा सकती है।

असमानता दूर करने की मांग

खुदरा व्यापारियों का कहना है कि वे अमेजन या फ्लिपकार्ट से मुकाबला करने में नहीं घबराते। सबसे बड़ी समस्या ऑनलाइन कंपनियों द्वारा वस्तुओं की खरीद पर दी जा रही अतार्किक छूट है। शुरुआत में बहुराष्ट्रीय कंपनियां बड़ी पूंजी के बल पर भारी छूट देकर घाटे में सामान बेचती हैं। बाद में ग्राहकों से वसूली करती हैं। अगर सामानों की खरीद और बिक्री का एक न्यूनतम मूल्य निर्धारित हो तो बहुराष्ट्रीय कंपनियां उनसे सस्ता माल नहीं बेच सकतीं और उनसे मुकाबला करने में कोई परेशानी नहीं होगी।

नई ई-कॉमर्स नीति लाने पर सरकार विचार कर रही है। इनमें अतार्किक तरीके का उपयोग कर अवैध तरीके से ग्राहकों को प्रभावित करने से रोकने पर कानून बनाए जाने की संभावना है। इससे देश के 12 करोड़ खुदरा व्यापारियों और 25 करोड़ से ज्यादा लोगों के रोजगार की रक्षा हो सकेगी।

जीएसटीएन का फैसलाः दो महीने से जीएसटी नहीं भरने वालों के मासिक रिटर्न पर रोक

नई दिल्ली। लगातार दो महीने तक जीएसटीआर-3बी फॉर्म नहीं भरने वाले कारोबारियों के लिए सितंबर से मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। जीएसटी नेटवर्क ने शुक्रवार को आदेश जारी किया है कि जो कारोबारी लगातार दो महीने जीएसटी गणना वाला फार्म नहीं भरेंगे उन्हें एक सितंबर से मासिक रिटर्न फॉर्म जीएसटीआर-1 भी नहीं भरने दिया जाएगा। जीएसटीएन के अनुसार, केंद्रीय जीएसटी कानून की धारा 59(6) के तहत नियमों का पालन नहीं करने वाले कारोबारियों पर यह प्रतिबंध लगाया जा सकता है। कारोबारी हर महीने का जीएसटीआर-1 फॉर्म अगले महीने में 11 दिनों के भीतर दाखिल करता है। इसमें कारोबारी द्वारा की गई उत्पाद या सेवाओं की आपूर्ति का लेखा जोखा होता है। इसी तरह, हर महीने का जीएसटीआर-3बी फॉर्म उसके अगले महीने की 20-24 तारीख के बीच भरा जाता है। इसी फॉर्म में दी गई जानकारियों के तहत कारोबारी पर वास्तविक टैक्स या जीएसटी की गणना होती है। सितंबर से नया नियम लागू होता है, तो ऐसे कारोबारियों को तिमाही रिटर्न फॉर्म भरने में भी मुश्किलें आ सकती हैं।

कारोबारी ऐसे करते हैं खेल

कई कारोबारी जीएसटीआर-1 फॉर्म तो समय से भरते हैं, क्योंकि इसका मिलान उन कारोबारियों के

विवरण से भी होता है, जिन्हें सामान या सेवा की आपूर्ति की जा रही है। लेकिन, अगले महीने भरे जाने वाले जीएसटीआर-3बी फॉर्म में सभी विवरण नहीं देते। इससे कारोबारी पर टैक्स की वास्तविक गणना नहीं हो पाती, जबकि जीएसटीआर-1 फॉर्म में विवरण भरकर कारोबारी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ उठा लेते हैं। अब जीएसटीआर-2ए इनवॉइस देने के बावजूद कारोबारी आईटीसी का फायदा नहीं उठा सकेंगे।

जीएसटी विशेषज्ञ अभिषेक जैन का कहना है कि जीएसटीएन का यह कदम नियम तोड़कर टैक्स चोरी करने वाले कारोबारियों के खिलाफ काफी कारगर होगा। यह पूरी व्यवस्था जीएसटी पोर्टल पर ऑनलाइन होगी, जिससे कारोबारी जीएसटीआर-1 फॉर्म भरने के लिए कर अधिकारियों से अलग से अनुमति नहीं ले सकेंगे। सरकार के राजस्व में भी इजाफा होगा, क्योंकि अब इनपुट टैक्स क्रेडिट लेने के लिए सभी कारोबारियों को जीएसटीआर-3बी फॉर्म अनिवार्य रूप से भरना होगा, जो वास्तव में टैक्स की गणना के लिए होता है। इससे पहले सरकार ने रिटर्न नहीं भरने वाले कारोबारियों के ई-वे बिल पर भी रोक लगाई थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लीड्स टेस्टः 19 साल बाद इंग्लैंड ने लिया भारत से पारी की हार का बदला

रॉबिंसन ने झटके 5 विकेट, इंग्लैंड ने भारत को पारी और 76 रनों से हराया

लीड्स (एजेंसी)।

तेज गेंदबाज ओली रॉबिंसन (5/65) की शानदार गेंदबाजी के दम पर इंग्लैंड ने भारत को यहां हेडिंग्ले में खेले गए तीसरे टेस्ट मुकाबले के चौथे दिन शनिवार को पारी और 76 रनों से हराकर पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-1 की बराबरी हासिल कर ली।

भारत की पहली पारी 78 रन पर सिमटी थी जबकि इंग्लैंड ने पहली पारी में 432 रन बनाकर 354 रनों की बढ़त ली थी। लेकिन भारतीय टीम दूसरी पारी में 278 रन पर ऑलआउट हो गई और उसे पारी की हार की शर्मिंदगी झेलनी पड़ी। भारत की ओर से चेतेश्वर पुजारा ने 189 गेंदों पर 15 चौकों की मदद से सर्वाधिक 91 रन बनाए। इंग्लैंड की तरफ से रॉबिंसन के अलावा क्रैग ओवरटोन ने तीन विकेट लिए जबकि जेम्स एंडरसन और मोइन अली को एक-एक विकेट मिला।

इससे पहले, भारत ने आज दो विकेट पर 215 रन से आगे खेलना शुरू किया और पुजारा ने 91 तथा कप्तान विराट कोहली ने 45 रन से आगे पारी बढ़ाई। लेकिन पुजारा शतक नहीं बना सके और

दिन का खेल शुरू होने के साथ ही अपना विकेट गंवा बैठे।

पुजारा के आउट होने के बाद कोहली ने किसी तरह अपना अर्धशतक पूरा किया लेकिन वह फिर ज्यादा देर अपनी पारी आगे नहीं बढ़ा सके। कोहली 125 गेंदों पर आठ चौकों की मदद से 55 रन बनाकर आउट हुए। इन दो बल्लेबाजों के आउट होने के साथ ही भारतीय पारी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। कोहली के पवेलियन लौटने के बाद उपकप्तान अजिंक्य रहाणे एक बार फिर नाकाम साबित हुए और 25 गेंदों पर दो चौकों के सहारे 10 रन बनाकर पांचवें बल्लेबाज के रूप में पवेलियन लौटे। फिर विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत (1) भी कुछ करिश्मा नहीं दिखा सके। पंत के आउट होने के बाद मोइन ने मोहम्मद शमी (6) को बोल्ड कर भारत को सातवां झटका दिया। लेकिन जब तक भारत इस झटके से उबर पाता उससे पहले ही इशांत शर्मा (2) भी पवेलियन की ओर चल दिए।

अंत में ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने कुछ ताबड़तोड़ शॉट्स खेल टीम को पारी की हार से बचाने की कोशिश की लेकिन वह इसमें सफल नहीं हो सके और 25 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के के सहारे 30 रन बनाकर नौवें बल्लेबाज के रूप में आउट हुए। फिर ओवरटोन ने मोहम्मद सिराज (0) को आउट कर भारत को आखिरी झटका दिया और इंग्लिश टीम ने यह मुकाबला अपने नाम किया। भारत की पारी में जसप्रीत बुमराह एक रन बनाकर नाबाद रहे। भारत और इंग्लैंड के बीच नॉटिंघम में खेला गया पहला मैच ड्रॉ रहा था जबकि लॉर्ड्स में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच को भारत ने जीता था। लेकिन इंग्लैंड ने यह टेस्ट मैच जीतकर हिसाब बराबर कर दिया।

अमेरिकी ओपन में जोकोविच और ओसाका पर होंगी नजरें, सोमवार से शुरू होगा ग्रैंडस्लैम

न्यूयॉर्क।(एजेंसी)।

अपने कैरियर का रिकॉर्ड 21वां ग्रैंडस्लैम और पिछले पांच दशक से अधिक समय में एक कैलेंडर वर्ष में सारे ग्रैंडस्लैम जीतने की दहलीज पर खड़े नोवाक जोकोविच पर अमेरिकी ओपन टेनिस में सभी की नजरें होंगी। जोकोविच ने कहा ,'' इसमें कोई शक नहीं कि मेरे लिये यह बहुत बड़ी प्रेरणा है। लेकिन मुझे अहसास है कि मानसिक रूप से संतुलन कैसे बनाना है। मेरे यहां खेलने को लेकर काफी हाइप है चूंकि रफेल नडाल और रोजर फेडरर भी नहीं खेल रहे हैं। '' जोकोविच के फेडरर और नडाल के समान 20 ग्रैंडस्लैम हैं। दूसरी ओर मानसिक स्वास्थ्य कारणों से फ्रेंच ओपन से बीच में ही हटी नाओमी ओसाका को भी पता है कि सभी की नजरें उन पर होगी।

पिछली बार की चैम्पियन ओसाका ने कहा ,'इस बार कुछ अलग हालात है। मुझे नहीं पता कि इसका वर्णन कैसे करूं लेकिन लोग मुझे अलग नजर से देखेंगे। मैं लोगों का नजरिया नहीं बदल सकती लेकिन इसका सामना करने के लिये खुद को तैयार कर रही हूं।'' साल का आखिरी ग्रैंडस्लैम सोमवार से शुरू होगा जिसमें पूरी संख्या में दर्शक मौजूद होंगे। यहां 1997 के बाद पहली बार सेरेना और वीनस विलियम्स, फेडरर और नडाल नहीं खेल रहे हैं। सबसे पहले 1938 में डॉन बज ने और 1962 तथा 1969 में रॉड लावेर ने एक कैलेंडर वर्ष में सारे ग्रैंडस्लैम जीते थे। पिछले 52 साल में कोई पुरूष खिलाड़ी एक सत्र में पहले तीन ग्रैंडस्लैम भी नहीं जीत सका है जो जोकोविच ने किया है।

बंगाल टाइगर्स के कप्तान और आइकन बने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसी

दुबई। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसी को अबुधाबी टी10 क्रिकेट टूर्नामेंट में बंगाल टाइगर्स का कप्तान और आइकन बनाया गया है। डु प्लेसी ने एक विज्ञप्ति में कहा ,''यह रोमांचक प्रारूप है और लीग में दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों के साथ खेलने का मुझे इंतजार है।'' उन्होंने कहा ,'' क्रिकेट के लिये यह रोमांचक समय है। टी10 जैसी लीग खेलप्रेमियों को जिस तरह मनोरंजन की सौगात दे रही है, यह देखना सुखद है।'' डु प्लेसी ने दक्षिण अफ्रीका के लिये 69 टेस्ट, 143 वनडे और 50 टी20 मैच खेले हैं। वह तीनों प्रारूपों में टीम के कप्तान भी रहे। लीग 19 नवंबर से दो दिसंबर तक अबुधाबी के जायेद क्रिकेट स्टेडियम पर खेली जायेगी।

हमारी खेल प्रतिभा का 80-90 प्रतिशत अप्रयुक्त रहता है: पेस

नई दिल्ली। भारतीय टेनिस दिग्गज लिएंडर पेस ने शुक्रवार को कहा कि देश की 80 से 90 प्रतिशत प्रतिभा का दोहन नहीं हुआ है क्योंकि खेल बड़े शहरों और महानगरों तक ही सीमित है। उन्होंने कहा कि अंकिता रैना और सुमित नागल जैसे खिलाड़ियों के लिए उनके मन में बहुत सम्मान है, जो अपनी प्रतिभा को बरकरार रखते हैं। भारी आर्थिक तंगी के बावजूद बड़े-बड़े आयोजनों में खेलने का सपना जिंदा है। आईएएनएस के साथ एक साक्षात्कार में, आठ पुरुष युगल और 10 मिश्रित युगल ग्रैंड स्लैम खिताब के विजेता पेस ने कहा, मुझे लगता है कि हमारी 80-90 प्रतिशत प्रतिभा अप्रयुक्त है। मैं ऐसा इसलिए कहता हूं क्योंकि अधिकांश टेनिस बड़े शहरों और महानगरों में खेल खेले जाते हैं मुझे लगता है कि टियर -2, टियर -3 शहर और ग्रामीण इलाकों में हमारी बहुत सारी प्रतिभाएं हैं। उन्होंने कहा, अगर हम सात ओलंपिक पदकों को देखें, जो हमने टोक्यो 2020 में जीते हैं, हमारी प्रतिभा का अधिकांश हिस्सा ग्रामीण क्षेत्रों से आता है। हमारे देश में बेहतर होगा कि हम कई अलग-अलग खेलों में प्रतिभा स्काउट करें और वास्तव में अपनी प्रतिभा का पता लगाने के लिए खेल विज्ञान और खेल चिकित्सा का उपयोग करें। मेट्रो शहरों में हमारे पास जो सुविधाएं हैं, जैसे भारतीय खेल प्राधिकरण या खेलो इंडिया, का उपयोग हमारी प्रतिभा को निखारने और हमारे देश में चैंपियन बनाने के लिए किया जा सकता है।

एशियाई युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचे विश्वामित्र चोंगथम

नई दिल्ली (एजेंसी)।

विश्व युवा चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता विश्वामित्र चोंगथम (51 किग्रा) के नेतृत्व में तीन भारतीय युवा मुक्केबाजों ने दुबई में जारी एएसबीसी एशियाई युवा और जूनियर मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में प्रवेश कर लिया है।

51 किग्रा के सेमीफाइनल में, विश्वामित्र ने अपने शानदार फार्म को जारी रखा और फाइनल में पहुंचने के लिए ताजिकिस्तान के अब्दुरखमोनजोदा अकराली को हराया। तेज और फुर्तिले मुक्केबाज ने पूरे मुकाबले में अपनी गति और कौशल को बनाए रखते हुए एकतरफा अंदाज में 5-0 से जीत हासिल की। फाइनल मुकाबले में उनका सामना उज्बेकिस्तान के कुजीबोव अहमदजोन से होना है।

लाइट-फ्लाईवेट सेमीफाइनल मुकाबले में, विश्वनाथ सुरेश (48 किग्रा) का सामना ब्रुनेई के सैयद फादेल के खिलाफ था। भारतीय मुक्केबाज ने पहले दौर में कठिन

शुरूआत की थी, लेकिन अपने प्रतिद्वंद्वी की रणनीति का आकलन करने के बाद, उन्होंने शेष राउंड में जोरदार वापसी की और दूर से खेलते हुए बाउट को एकतरफा अंदाज में 5-0 से जीत लिया। फाइनल में उनका मुकाबला कजाकिस्तान के संजार ताशेनबे से होना है।

दिन के सबसे करीबी सेमीफाइनल मुकाबलों में से एक में, जयदीप रावत (71 किग्रा) का सामना किर्गिस्तान के मुरासेबेकोव बेकबोल से हुआ। इस मुकाबले में दोनों तरफ से कई जोरदार प्रहार हुए। दोनों के बीच जोरदार आक्रमण का आदान-प्रदान हुआ। सावधानी बरतते हुए, भारत के जयदीप ने अंतिम दौर में ऑल आउट आक्रमण के लिए जाने का फैसला किया और 3-2 से विभाजित जीत हासिल की। अंतिम दौर में जयदीप ने अधिक स्पष्ट मुक्के मारे। फाइनल में उनका सामना उज्बेकिस्तान के अब्दुल्लाव अलोखोन से होना है।

वहीं दीपक (75 किग्रा) को सेमीफाइनल में कजाकिस्तान के बकबर्गेन अलियास्करोव से 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। 70 किग्रा भार वर्ग के महिला सेमीफाइनल में लशु यादव को कजाकिस्तान की गौखर शैबेकोवा से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा।

विश्वनाथ, विश्वामित्र और जयदीप के फाइनल में प्रवेश करने के साथ, भारत के पास अब युवा पुरुष वर्ग में स्वर्ण पदक का दावा पेश करने वाले वाले पांच पुरुष मुक्केबाज होंगे। वंशज (63.5 किग्रा) और विशाल (80 किग्रा) पहले ही फाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं। इस बीच, दक्ष (67 किग्रा), दीपक (75 किग्रा), अभिमन्यु (92 किग्रा) और अमन सिंह बिष्ट (प्लस 92 किग्रा) को सेमीफाइनल में हार के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

युवा महिला वर्ग में फाइनल में 10 लड़कियां खेलेंगी। वे हैं निवेदिता (48 किग्रा), तमन्ना (50 किग्रा), सिमरन (52 किग्रा), नेहा (54 किग्रा), प्रीति (57 किग्रा), प्रीति दहिया (60 किग्रा), खुशी (63 किग्रा), स्नेहा (66 किग्रा), खुशी (75 किग्रा), तनिशबीर (81 किग्रा)। इस बीच, लशु यादव (70 किग्रा) ने कांस्य पदक हासिल किया। जूनियर वर्ग के सभी फाइनल मैच रविवार को और युवा वर्ग के फाइनल सोमवार को खेले जाएंगे।

टोक्यो की सफलता के बाद हम भयमुक्त हो गए हैं : गुरजीत

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम की ड्रैग फ्लिकर गुरजीत कौर का कहना है कि टोक्यो ओलंपिक की सफलता के बाद टीम के खिलाड़ी भयमुक्त हो गए हैं।25 डिफेंडर को एआईएच महिला प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड 2020/21 के लिए नामित किया गया है। भारतीय महिला टीम ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंची थी। गुरजीत ने कहा, लोगों ने हमें देखना शुरू किया है और मुझे यकीन है कि हमारा प्रदर्शन युवा लड़कियों को हॉकी खेलने के लिए प्रेरित करेगा। टोक्यो ओलंपिक से भारतीय हॉकी का नया युग शुरू हुआ है। हमें काफी मनोबल मिला है। अब हम लोग भयमुक्त हो गए हैं और आने वाले बड़े टूर्नामेंटों में प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हैं। अवॉर्ड के लिए नामित होने पर उन्होंने कहा, यह मेरे लिए काफी बड़ी चीज है। एक एथलीट के लिए जब आपकी मेहनत को सराहा जाता है तो यह सबसे बड़ी बात होती है। मुझे इस लिस्ट में अपना नाम देखकर काफी खुशी हो रही है।

सेना ने पुणे में नीरज चोपड़ा के नाम पर रखा स्टेडियम का नाम

मुंबई (एजेंसी)।

भारतीय सेना ने शुक्रवार को टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले सूबेदार नीरज चोपड़ा को उनके सम्मान में पुणे कैंट के आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट में एक स्टेडियम का नामकरण कर सम्मानित किया है। नीरज चोपड़ा स्टेडियम, आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट (एएसआई), पुणे कैंट का अनावरण रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को भारत के चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी की उपस्थिति में किया। राजनाथ ने चोपड़ा को एथलेटिक्स में ओलंपिक पदक

जीतने वाले देश के पहले खिलाड़ी बनने के लिए भी सम्मानित किया। राजनाथ सिंह ने ट्वीट कर कहा, टोक्यो ओलंपिक में अपने अद्भुत प्रदर्शन के लिए आज पुणे में सेना खेल संस्थान में सूबेदार नीरज चोपड़ा को सम्मानित किया गया है। उन्होंने ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया है। अब एएसआई ने उनके नाम पर स्टेडियम का नाम रखा है। उनके भविष्य के प्रयासों में सफलता की कामना करते हैं।चोपड़ा ने इसके लिए एएसआई को धन्यवाद दिया और उम्मीद है कि यह दूसरों को खेल बनाने के लिए प्रेरित करेगा। चोपड़ा ने अपने ट्वीट में कहा, वास्तव में इस मान्यता से विनम्र हूं और आशा करता हूं कि यह हमारे देश को गौरवान्वित करने के लिए कई और एथलीटों को प्रेरित करेगा। धन्यवाद, एएसआई पुणे। चोपड़ा ने इस महान सम्मान के लिए मंत्री को धन्यवाद दिया।

कोई दबाव नहीं, 21वें ग्रैंड स्लैम के बारे में सोचना प्रेरणादायक: जोकोविच

न्यूयॉर्क। विश्व के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच यूएस ओपन में अपने 21वें ग्रैंड स्लैम की तलाश में उतरेंगे। उन्होंने इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन और विंबलडन का खिताब अपने नाम किया था।

जोकोविच स्विटजरलैंड के रोजर फेडरर और स्पेन के राफेल नडाल के 20 ग्रैंड स्लैम की बराबरी पर हैं। 34 वर्षीय जोकोविच ने कहा कि वह अपने ऊपर दबाव हावी नहीं होने देंगे और बेस्ट टेनिस खेलने के लिए प्रेरित करेंगे। जोकोविच ने कहा, मुझे पता है कि न्यूयॉर्क में मेरे सामने बहुत बड़ा अवसर है। यह बहुत मनोरंजक टेनिस कोर्ट है। दर्शकों की भी स्टेडियम में वापसी हो रही है। उन्होंने कहा, मैं इंतजार नहीं कर सकता। ईमानदारी से कहूं तो मैं अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस खेलने के लिए बहुत प्रेरित हूं। लेकिन मुझे एक बार में एक गेंद को हिट करना है, पल में रहने की कोशिश करना है। यहां एक स्लैम जीतने का सपना है, जो स्पष्ट रूप से कैलेंडर स्लैम को पूरा करेगा। जोकोविच ने कहा, मैं इससे बेहद प्रेरित हूं और इसमें कोई शक नहीं। लेकिन साथ ही, मुझे पता है कि मानसिक रूप से चीजों को कैसे संतुलित करना है, बहुत सारी उम्मीदों के साथ। मुझे पता है कि बहुत सारे लोग हैं जो मेरे मैच देखने जा रहे हैं और मुझसे अच्छा प्रदर्शन करने और स्लैम के लिए लड़ने की उम्मीद कर रहे हैं।

फाइनल में पहुंचने के बाद भाविना ने कहा, कड़ी मेहनत करने से कुछ भी असंभव नहीं

टोयो (एजेंसी)।

टोक्यो पैरालम्पिक में महिला टेबल टेनिस के फाइनल में पहुंचकर इतिहास रचने वाली पैरा एथलीट भाविना पटेल का कहना है कि कड़ी मेहनत करने से कुछ भी असंभव नहीं है। पैरा टेबल टेनिस में चीनी खिलाड़ी इतनी मजबूत हैं कि भाविना से हमेशा कहा गया कि उन्हें हराना असंभव है।

भाविना ने शनिवार को टोक्यो में पैरालंपिक खेलों के महिला एकल के क्लास 4 वर्ग के सेमीफाइनल में चीन की झांग मियाओ को हराने के बाद कहा, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि अगर आप इसे अपना सर्वश्रेष्ठ शॉट देते हैं तो कुछ भी असंभव नहीं है और आज मैंने इसे किया।भाविना ने विश्व की नंबर 3 और 2016 रियो पैरालंपिक खेलों की रजत पदक विजेता मियाओ को 34 मिनट तक चले मुकाबले में 3-2 (7-11, 11-7, 11-4, 9-11, 11-8) से हराकर फाइनल में प्रवेश किया और भारत को पैरालंपिक खेलों में टेबल टेनिस में अपना पहला पदक पक्का किया। भाविना ने कहा, यह पहली बार है कि किसी भारतीय खिलाड़ी ने एक चीनी प्रतिद्वंद्वी को हराया है। यह मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। हर कोई मुझसे कहता था कि एक चीनी खिलाड़ी को हराना असंभव है। लेकिन आज मैंने साबित कर दिया है कि दुनिया में कुछ भी असंभव नहीं है। अगर आप इसे करना चाहते हैं तो सब कुछ संभव है।

उन्होंने देश के लोगों, भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई), भारतीय खेल प्राधिकरण (साई), अपने प्रायोजकों ओलंपिक गोल्ड क्वेस्ट (ओजीक्यू), ब्लाइंड पीपुल्स एसोसिएशन, अहमदाबाद (जहां उन्होंने टेबल टेनिस सीखा) और टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) को सहायता के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, उनके समर्थन के कारण ही मैं आज इस मुकाम पर पहुंच पाई हूं। सभी का धन्यवाद। उन्होंने कहा, मैंने कभी खुद को दिव्यांग नहीं माना। आज मैंने साबित कर दिया है कि कुछ भी असंभव नहीं है। गुजरात के अहमदाबाद में ईएसआईसी के लिए कार्यरत सरकारी कर्मचारी भाविना शनिवार को पैरालंपिक खेलों के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी बनीं।

उन्होंने कहा, अगर मैं खेल के समान मानक को बनाए रखती हूं, तो मैं स्वर्ण पदक जीत सकती हूं, जब मैंने अपने पहले पैरालिंपिक में अपनी यात्रा शुरू की थी, तो मैंने इस स्तर तक पहुंचने की उम्मीद नहीं थी। भाविना ने ट्विटर पर भारत की पैरालंपिक समिति द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, जब मैंने शुरूआत की थी तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इस मुकाम पर पहुंचूंगी। मैं यहां हर खेल में अपना

शत-प्रतिशत देने के उद्देश्य से आई हूं और मैंने अब तक यही किया है। अगर आप अपना 100 प्रतिशत किसी चीज को देते हैं, तब पदक आएगे। फाइनल के बारे में पूछे जाने पर भाविना ने कहा कि वह चीन की झोउ यिंग से भिड़ने के लिए मानसिक रूप से तैयार हैं, जिनसे वह टोक्यो में अपने शुरूआती मैच में हार गई थीं। भाविना ने कहा, मैं उस मैच के लिए मानसिक रूप से तैयार हूं। मैं उस मैच में भी अपना 100 प्रतिशत दूंगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मैं भी खास

शाम से ही मिंकी उदास थी। जैसे ही उसे पता चला कि उसकी सबसे प्यारी सहेली श्वेता को स्कॉलरशिप मिली है, उसे उदासी ने आ घेरा। वह मन ही मन सोच रही थी कि श्वेता कितनी इंटेलिजेंट है। उसके सामने वह तो कुछ भी नहीं। यह सब सोच-सोचकर परेशान मिंकी ने श्वेता से बात तक नहीं की थी इस चक्कर में। उदास मिंकी टहलते-टहलते अपने घर की बाल्कनी में जा पहुंची। वहां उसे एक चिड़िया की मीठी आवाज सुनाई दी। शायद किसी का ध्यान नहीं जाता, लेकिन हमेशा अपने ही ख्यालों में खोई रहने वाली मिंकी को यह आवाज बहुत आकर्षित करती थी। किताबों में तो उसने पढ़ा था कि रात को पक्षी सो जाते हैं, तो फिर यह कैसे इतनी मीठी बोली में रात के वक्त बोलती है। आखिर यह चिड़िया कहां रहती है?

बारहवीं मंजिल पर बने अपने घर की बाल्कनी में खड़ी मिंकी यही सोच रही थी कि सामने आसमान में चमचम चमकते चंद्रमा ने झुककर उससे पूछा, 'उस चिड़िया को ढूंढने में मैं मदद करूं क्या?' मिंकी हैरान रह गई। फिर बोली, 'आप क्यों मदद करेंगे? क्या आपका भी उस चिड़िया को देखने का मन करता है?'

'हां, मैं तो रात में चमगादड़ों को इधर-उधर डोलते देख तंग आ गया हूं। इतना सुंदर बोलने वाली चिड़िया को भला कौन नहीं देखना चाहेगा? तुम्हें क्या लगता है, कैसी होगी वह चिड़िया?' चंद्रमा ने पूछा।

'वो.? मुझे लगता है वो बहुत सुंदर नीली आंखों, छोटी सी लाल चोंच, पीले और नीले पंखों वाली चिड़िया होगी। उसके सिर पर एक सुनहरी कलगी लगी होगी। हांउसकी पूंछ से कई नीले रंग के छल्ले निकले होंगे, जिसके कारण वह एकदम खास चिड़िया लगती होगी।' 'चलो, उसे ढूंढ़ते हैं।' चंद्रमा ने उससे कहा। चंद्रमा के ऊपर छाया रुई जैसा बादल का टुकड़ा, जिसका शेप एकदम खरगोश जैसा था, वह मिंकी की बाल्कनी के पास उतर आया और अपने कान हिलाकर मिंकी से पीठ पर सवार हो जाने को कहा। मिंकी पहले थोड़ा हिचकिचाई, फिर उस पर सवार हो गई। फिर क्या था, बादल उड़-उड़ कर हरेक बिल्डिंग में मिंकी को घुमाता रहा। मिंकी को कहीं भी वो चिड़िया ढूंढ़े नहीं मिल रही थी। फिर अचानक मिंकी को अपनी ही बाल्कनी में ऊपर की तरफ से वही आवाज आई। चंद्रमा ने तुरंत अपनी एक किरण उस ओर डाली और देखा, तो पाया कि वहां तार पर लेटे हुए टांग पर टांग चढ़ाकर आंख बंद करके मैडम चिड़िया रानी गाने में मस्त हैं।

'अहामिल गई।' चंद्रमा और मिंकी दोनों एक साथ खुशी में चिल्लाए। बादल के खरगोश ने मारे खुशी के मिंकी को लिए-लिए हवा में दो गोते लगाए। इतना हल्ला-गुल्ला सुनकर मैडम चिड़िया रानी भी गाना भूल गईं। मारे आश्चर्य के फुदक कर रोशनी में आ गईं।

काली-कजरारी गोल-गोल आंखें, फूले-फूले गाल, मोटू पेट, भूरे-स्लेटी पंख और छोटी सी बेरंग चोंच। 'ये क्या? यह तो खास चिड़िया कहीं से नहीं लगती।' मिंकी मन ही मन सोच रही थी कि चंद्रमा ने उसका मन पढ़ लिया और बोला, 'मैं भी यही सोच रहा हूं!' 'तुम सुनहरे पंखों वाली क्यों नहीं हो?' मिंकी से रहा न गया, तो पूछ बैठी चिड़िया से। चिड़िया सयानी थी। मिंकी के मन की बात वह भी समझ गई। आंखें तरेर कर बोली, 'क्यों, क्या सुनहरे पंख होना जरूरी नियम है कोई? मैं खुश रहती हूं, जब चाहे गा सकती हूं। मुझे अपने इन स्लेटी पंखों से बहुत प्यार है। ये मुझे दूर तक फुर्र-फुर्र उड़ा ले जाते हैं। और क्या चाहिए भला?''पर ये खास नहीं दिखते?' मिंकी ने भोलेपन से कहा। 'अगर मैं सुनहरी चिड़िया जैसी खास नहीं, तो कोई मेरे जैसा गाना भी तो नहीं गा सकता। मेरे दोस्तों में किसी के पंख सुंदर हैं, तो किसी की चोंच। कोई उड़ता बहुत तेज है, तो कोई चोंच की एक टक्कर से ही फल तोड़ देता है। हम सबकी अपनी खासियत है, जो दूसरे में नहीं। इसीलिए मैं भी उतनी ही खास हूं, जितनी वे सब।'

मिंकी को श्वेता की याद हो आई। अपनी तुलना श्वेता से करके मिंकी सुबह से उदास थी। पर उस चिड़िया की बातें सुनकर उसे याद हो आया कि मैकेनिक्स में उसका क्लास में कोई मुकाबला नहीं कर पाता है और स्विमिंग भी उसे बहुत अच्छी आती है। वह गिटार भी बहुत अच्छा बजाती है। मिंकी जितना अपनी खासियतों के बारे में सोचती जाती, उसकी उदासी दूर भाग रही थी। उसने आगे बढ़कर चिड़िया को गले लगा लिया। चिड़िया कुछ समझ नहीं पाई।

अब मिंकी ने बादल के खरगोश से छलांग लगाई और बाल्कनी में कूदकर सीधा भागी फोन की तरफ। उसकी आवाज सुनाई दे रही थी, 'हेलो, श्वेता। कॉन्ग्रेचुलेशन स्कॉलरशिप के लिए। सॉरी, मैं तुझे घर पर मिलने नहीं आ पाई। मम्मी को टाइम ही नहीं मिला। संडे को आऊंगी तेरे यहां। फिर मिलकर खेलेंगे भी.।' चिड़िया और चंद्रमा दोनों समझ गए थे कि अब दोनों सहेलियों की बातें लंबी चलेंगी। वे दोनों मुस्कुराए और चल दिए अपने-अपने घर। बादल का खरगोश भी फुदकता पीछे-पीछे चला जा रहा था।

रात में एफिल टावर की फोटो खींचना है गैरकानूनी

एफिल टावर इतना सुंदर है कि जो भी उसका दीदार करता है, वह उसे देखता रह जाता है। चलिए, जानते हैं एफिल से जुड़ी कुछ मजेदार बातें

तोड़ा जाने वाला था एफिल टावर

एफिल टावर का निर्माण 1889 में हुआ था। उसे वहां आयोजित हुए विश्व मेले के प्रवेश द्वार के रूप में तैयार किया गया था और बाद में उसे तोड़ने की योजना थी। पर इसकी सुंदरता, बढ़ती लोकप्रियता और इसे रेडियो एंटिना बनाने की योजना को पूरा करने के लिए इसे न तोड़ने का फैसला लिया गया।

करीब 10 माले के बराबर है एफिल की ऊंचाई

यह पेरिस का सबसे ऊंचा स्ट्रक्चर है। इसकी ऊंचाई करीब 81 माले वाली इमारत के बराबर है। अगर कोई व्यक्ति इसके सबसे ऊपर वाले माले पर पहुंचना चाहता है तो उसे 1,665 सीढ़ियां चढ़नी होंगी। दूसरे विश्व युद्ध के दौरान जब दुनिया का सबसे क्रूर आदमी हिटलर पेरिस पहुंचा तो एफिल टावर के लिफ्ट की केबल काट दी गई थी, ताकि हिटलर एफिल टावर के सबसे ऊपर न पहुंच सके, क्योंकि 1,665 सीढ़ियां चढ़ना किसी के लिए बिल्कुल आसान काम नहीं है।

किसके नाम पर पड़ा एफिल टावर का नाम

एफिल टावर का नाम गुस्तव एफिल के नाम पर रखा गया था। वह एक इंजीनियर थे और उनकी कंपनी ने ही एफिल को डिजाइन और उसका निर्माण किया था। गुस्तव ने अमेरिका के स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी के कुछ हिस्से को भी डिजाइन किया था। एफिल टावर के सबसे ऊपर वाले माले पर गुस्तव का एक फ्लैट भी था।

रात में तस्वीर खींचना है अपराध

रात में एफिल टावर की फोटो खींचना गैरकानूनी है। फोटो खींचने के लिए वहां के संचालकों से इजाजत लेनी पड़ती है। दरअसल एफिल टावर पर लगी लाइटस के डिजाइन पर उसके कलाकारों का कॉपीराइट है। यूरोप के कॉपीराइट कानून के मुताबिक, कॉपीराइट वाली चीजों की तस्वीरें खींचना कॉपीराइट नियम का उल्लंघन है।

एफिल टावर पर झूला!

1891 में फ्रांस के एक आविष्कारक कैरन ने एक ऐसा झूला बनाने की योजना बनाई, जिसकी सवारी करने वाले लोगों को एफिल टावर के सबसे ऊंचे हिस्से से करीब 1,000 फीट नीचे यानी जमीन पर स्थित तालाब में फेंका जाता। लेकिन उनकी यह योजना सफल नहीं हो पाई, क्योंकि ऐसा करने से लोगों की जान जाने का डर था।

10 हाथियों के बराबर पेंट का होता है इस्तेमाल

एफिल टावर को रंगने में 10 हाथियों के वजन के बराबर पेंट का इस्तेमाल किया जाता है। हर सात साल पर इसे पेंट किया जाता है, जिसमें 60 टन पेंट खर्च हो जाता है।

निर्माण में लगा था इतना वक्त

इसके निर्माण में 300 कारीगरों ने काम किया था। साथ ही इसे बनाने में खास तरह के 18,038 लोहे के टुकड़े और 25 मिलियन कील का इस्तेमाल हुआ था। वहीं, इसे तैयार करने में दो साल, दो महीने और पांच दिन का वक्त लगा था।

2015 में एफिल टावर दुनिया का सबसे ज्यादा घूमा गया पर्यटन स्थल था। उस वक्त करीब 691 मिलियन लोगों ने इसे देखा था। एफिल है ही इतना सुंदर कि जो भी उसका दीदार करता है, वह उसे देखता रह जाता है। चलिए, जानते हैं एफिल से जुड़ी कुछ मजेदार बातें

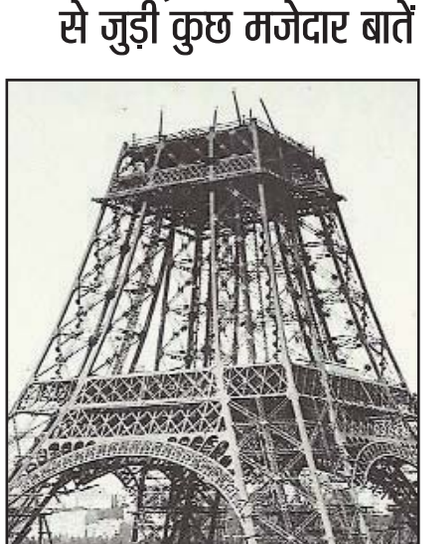

एफिल टावर की कुछ और खास बातें

ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स नाम के एक देश ने एफिल टावर के आकार वाला एक 10 डॉलर का सिक्का जारी किया था।

यहां रोशनी के लिए 20,000 बल्ब लगाए गए हैं। साल 2013 से हर दिन रात 1 बजे यहां की लाइट्स बुझा दी जाती हैं, ताकि बिजली की बचत हो सके।

पूरी दुनिया में एफिल टावर के 30 प्रतिरूप हैं। वैसे, लंदन ने एक ऐसे स्ट्रक्चर के निर्माण की शुरुआत की थी, जो ऊंचाई में एफिल टावर को पीछे छोड़ देता। पर उसका निर्माण पूरा नहीं हो सका और आखिर में उस स्ट्रक्चर को कुछ सालों बाद तोड़ दिया गया।

वर्ष 1902 में बिजली के झटके ने एफिल टावर के ऊपरी हिस्से को काफी नुकसान पहुंचाया था, जिसके बाद उस हिस्से का दोबारा निर्माण किया गया।

बदलते तापमान की वजह से इसकी ऊंचाई में 56 इंच का अंतर आ जाता है। इसके अलावा तेज हवा में यह टावर 2-3 इंच नीचे झुक जाती है।

पहले पेरिस की बजाय स्पेन के बार्सिलोना में एफिल टावर का निर्माण किया जाने वाला था, पर इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया गया।

1923 में एक व्यक्ति ने किसी से लगाई शर्त के मुताबिक साइकिल से टावर की सीढ़ियों पर चढ़ाई की। वह यह शर्त जीत गया, लेकिन उसे इस गैरकानूनी काम के लिए स्थानीय पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था।

छात्रों के लिए डॉग थेरेपी

उत्तरी अमेरिका में इन दिनों चल रहे हैं, 'थेरेपी डॉग सेशंस'। 'स्ट्रेस एंड हेल्थ जनरल' में प्रकाशित रिसर्च के अनुसार यह थेरेपी छात्रों के बीच बहुत लोकप्रिय हो गई है। आजकल छात्र काफी तनाव में रहते हैं। ऐसे में कुत्तों का साथ, किसी बढ़िया दवा का काम कर रहा है। रिसर्च में छात्रों की 'थेरेपी डॉग सेशंस' से पहले और बाद की मानसिक स्थिति को जाना। इसके लिए उन्होंने 246 छात्रों पर अध्ययन किया। उन्हें 7 से 12 पालतू कुत्तों के साथ खेलने का मौका दिया गया। इसके बाद देखा गया कि छात्रों में तनाव काफी कम हो गया। खुशी और ऊर्जा का स्तर बढ़ गया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

भारत ने नेपाल के 15 बाढ़ प्रभावित जिलों के लिए सहायता सामग्री भेजी

काठमांडू। भारत ने नेपाल के 15 बाढ़ प्रभावित जिलों में लोगों की मदद के लिए मानवीय सहायता के तहत नेपाल को आठ करोड़ रुपये की राहत सामग्री दान की है। यहां भारतीय दूतावास ने एक बयान में कहा कि बाढ़ और भूस्खलन के कारण हाल ही में हुए नुकसान को देखते हुए राहत सामग्री की पूरी खेप नेपाल-भारत महिला मित्रता सोसायटी (एनआईडब्ल्यूएफएस) और प्राज्ञयिक विद्यार्थी परिषद (पीवीपी) के माध्यम से स्थानीय सरकारों के समन्वय में वितरित की जाएगी। बयान के मुताबिक, राहत सामग्री में 15 जिलों में बाढ़ और भूस्खलन प्रभावित परिवारों के बीच वितरण के लिए टेंट, प्लास्टिक शीट, बिस्तर और दवाएं शामिल हैं। भारतीय दूतावास के मिशन उप प्रमुख नामग्या सी खंपा ने सांसद और एनआईडब्ल्यूएफएस की अध्यक्ष चंदा चौधरी और पीवीपी के पदाधिकारी नारायण ढकाल को भारत सरकार की ओर से यह खेप सौंपी।

जी-20 अफ्रीकी पहल की बैठक बुलायी गयी

बीजिंग। 27 अगस्त को जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल ने बर्लिन में कुछ अफ्रीकी देशों के नेताओं से मुलाकात की और ऑनलाइन बैठक के तरीके से 12 अफ्रीकी देशों समेत जी-20 अफ्रीकी पहल की बैठक बुलायी। मर्केल ने अफ्रीका में पूंजी निवेश को बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि अफ्रीकी देशों में भारी बाजार निहित शक्ति है। अफ्रीका का और बेहतर विकास किया जाने की जरूरत है। साथ ही उन्होंने यह भी जोर दिया कि हमारे वैश्विक जलवायु परिवर्तन लक्ष्य को साकार करने के लिए अफ्रीका अति महत्वपूर्ण है। मर्केल ने अफ्रीका में स्वतंत्र रूप से कोविड-19 वैक्सीन का उत्पादन करने का आह्वान भी किया। उन्होंने कहा कि जर्मनी अफ्रीका को वैक्सीन प्रदान करने और अफ्रीकी महाद्वीप में सब से तेज गति से चिकित्सा उत्पादों और वैक्सीन का उत्पादन करने की पूरी कोशिश करेगा। गौरतलब है कि जी-20 अफ्रीकी पहल 2017 में जर्मनी द्वारा जी-20 के अध्यक्ष देश के कार्यकाल में पेश की गयी, जिसका मकसद अफ्रीका में स्वास्थ्य और शिक्षा की समस्या का हल करने और महिलाओं और बच्चों को विकास के मौके देने में मदद करना है।

पेरू की कांग्रेस ग्रीन लाईट कैबिनेट को राष्ट्रपति ने नामित किया

लीमा। पेरू की कांग्रेस ने दो दिनों की बहस के बाद राष्ट्रपति प्रेडो कैस्टिलो द्वारा नामित एक नए मंत्रिमंडल को विश्वास मत प्रदान कर दिया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, 73 मतों के पक्ष में, 50 के विरोध में और बिना किसी रोक-टोक के, सांसदों ने शुक्रवार को देश में राजनीतिक अनिश्चितता को समाप्त कर दिया, जिसमें विपक्षी सांसदों ने कई मंत्रियों को हटाने का आह्वान किया। मैं विश्वास मत देने के लिए पेरू की कांग्रेस को धन्यवाद देता हूं। कैस्टिलो ने ट्वीट किया, विधायकों से लोगों के साथ मिलकर शासन करने और एक सामाजिक प्रकृति की सार्वजनिक नीतियों के विकास के लिए सर्वसम्मति प्राप्त करने का अनुरोध किया। कैस्टिलो ने जुलाई में राष्ट्रपति पद के लिए कड़े मुकाबले में दक्षिणपंथी प्रतिद्वंद्वी को हराने के बाद पदभार ग्रहण किया। उन्होंने एक नए संविधान का मसौदा तैयार करने सहित कई सुधारों की घोषणा की। पिछले पांच सालों में, पेरू कांग्रेस और कार्यकारी शाखा के बीच बार-बार होने वाले संघर्षों के परिणामस्वरूप राजनीतिक संकटों से घिर गया है।

यांगून क्षेत्र में फरवरी से अब तक 600 से अधिक खदान विस्फोट हुए

यांगून। म्यांमार के अधिकारियों ने इस साल फरवरी से यांगून क्षेत्र में हुए 619 खदान विस्फोटों के सिलसिले में 322 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। राज्य प्रशासन परिषद के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार को पत्रकारों को संबोधित करते हुए, परिषद की सूचना टीम के प्रमुख, जॉ मिन टुन ने कहा कि 59 अन्य संदिग्धों को भी हिंसक कृत्यों के लिए गिरफ्तार किया गया था, जिसमें यांगून में 1 फरवरी से 26 अगस्त तक 84 नागरिकों की मौत हो गई थी। क्षेत्र में 58 हथियार, 2,975 राउंड मिश्रित गोला-बारूद और संबंधित सामग्री के साथ आग्नेयास्त्र रखने के लिए कुल 199 संदिग्धों को भी पकड़ा गया था। इस अवधि के दौरान, मांडले क्षेत्र में विस्फोट की 467 घटनाएं हुईं, जिसमें 74 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया, जबकि 68 संदिग्धों को आतंकवादी कृत्यों के लिए हिरासत में लिया गया, जिसमें 126 नागरिक मारे गए। क्षेत्रीय अधिकारियों ने 938 हथियार और 34,351 राउंड मिश्रित गोला-बारूद की जब्ती के साथ-साथ 156 संदिग्धों को भी गिरफ्तार किया।

माली ने पूर्व-संक्रमणकालीन राष्ट्रपति, पीएम पर प्रतिबंधात्मक उपाय किए

बमाको। माली में संक्रमण की निगरानी के लिए स्थानीय समिति (सीएलएसटी) ने माली के पूर्व संक्रमणकालीन राष्ट्रपति बाह एनडॉ और उनके प्रधानमंत्री मोक्तार ओउने पर प्रतिबंधात्मक उपायों को हटाने के संक्रमणकालीन सरकार के फैसले का स्वागत किया। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार को जारी एक बयान में, इसने सरकार द्वारा पूर्व राज्य प्रमुख और पूर्व प्रधानमंत्री के रूप में उनकी स्थिति से जुड़े अधिकारों का फायदा सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों का भी स्वागत किया। सीएलएसटी के लिए, यह निर्णय एक पॉजिटिव विकास है जो संक्रमणकालीन अधिकारियों द्वारा की गई प्रतिबद्धताओं के ढांचे के भीतर आता है। इसने सभी संबंधित पक्षों से राष्ट्रीय हित के प्रति जिम्मेदारी और लगाव की भावना दिखाने, कानून के प्रति सम्मान दिखाने और संक्रमण के उचित आचरण को प्रभावित करने वाली किसी भी कार्रवाई से बचने का अनुरोध किया। मई में, एनडॉ और ओउने, साथ ही साथ उनके कुछ रिश्तेदारों को, 18 अगस्त, 2020 को तत्कालीन राष्ट्रपति इब्राहिम बाउबकर कीता को उखाड़ फेंकने वाले सैन्य जुंटा द्वारा अपने विशेषाधिकारों को छोड़ने के लिए मजबूर होने के बाद उनकी स्वतंत्रता से वंचित कर दिया गया था।

कोविड-19 जैविक हथियार के तौर पर 'विकसित नहीं' किया गया: अमेरिकी खुफिया समुदाय

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के खुफिया समुदाय ने एक रिपोर्ट में निष्कर्ष दिया कि कोविड-19 के लिए जिम्मेदार वायरस सार्स-सीओवी2 जैविक हथियार के तौर पर ''विकसित नहीं'' किया गया। साथ ही राष्ट्रपति जो बाइडन ने यह आरोप दोहराया कि चीन इस वायरस की उत्पत्ति के बारे में सूचना को दबा रहा है तथा पारदर्शिता की अपीलों को ठुकरा रहा है। राष्ट्रीय खुफिया निदेशक ने राष्ट्रपति के निर्देश पर तैयार की गयी रिपोर्ट में शुक्रवार को कहा कि सार्स सीओवी-2 नवंबर 2019 के आसपास संभवत: शुरुआती स्तर पर छोटे पैमाने पर फैला और पहली बार संक्रमण के मामले दिसंबर 2019 में वुहान में सामने आए। बहरहाल कोरोना वायरस की उत्पत्ति पर खुफिया समुदाय के बीच कोई आम सहमति नहीं बनी।

रिपोर्ट में कहा गया है, ''इस वायरस को जैविक हथियार के तौर पर विकसित नहीं किया गया। ज्यादातर एजेंसियों का यह भी आकलन है कि सार्स-सीओवी-2 की संभवत: आनुवंशिक रूप से उत्पत्ति नहीं हुई, हालांकि दो एजेंसियों का मानना है कि इस आकलन की पुष्टि करने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं है।'' खुफिया समुदाय का यह भी मानना है कि चीन के अधिकारियों को कोविड-19 संक्रमण फैलने से पहले इसके बारे में पूर्व जानकारी नहीं थी। इसमें कहा गया है, ''सभी उपलब्ध खुफिया सूचना और अन्य जानकारी का आकलन करने के बाद खुफिया समुदाय अब भी कोविड-19 की उत्पत्ति को लेकर विभाजित है। सभी एजेंसियों का आकलन है कि दो चीजें हो सकती है - किसी संक्रमित पशु से संक्रमण फैलना और प्रयोगशाला से जुड़ी घटना से संक्रमण फैलना।'' खुफिया समुदाय के कुछ लोगों का आकलन है कि सार्स-सीओवी-2 से संक्रमण का मामला प्रयोगशाला से जुड़ी घटना का नतीजा हो सकती है जिसमें संभवत: प्रयोग, जानवरों की देखभाल या वुहान विषाणु विज्ञान संस्थान द्वारा नमूना लेना शामिल हो सकता है।''

इस बीच, रिपोर्ट मिलने की जानकारी देते हुए बाइडन ने एक बयान में कहा कि उनका प्रशासन इस संक्रमण की जड़ तक पहुंचने के लिए हर संभव प्रयास करेगा ताकि भविष्य में फिर से इसे होने से रोकने के लिए सभी आवश्यक एहतियात उठाए जा सकें। उन्होंने कहा कि इस महामारी की उत्पत्ति की अहम जानकारी चीन में है लेकिन ''शुरुआत से लेकर अब तक चीन में सरकारी अधिकारियों ने अंतरराष्ट्रीय जांचकर्ताओं और वैश्विक जन स्वास्थ्य समुदाय के सदस्यों को इसका पता लगाने से रोकने के लिए काम किया है।'' बाइडन ने आरोप लगाया कि अभी तक भी चीन पारदर्शिता की अपीलों को खारिज करता रहा है और सूचना को रोकता रहा है जबकि महामारी से मरने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ''दुनिया को जवाब मिलना चाहिए और मैं जवाब मिलने तक शांत नहीं बैठूंगा। जिम्मेदार देश बाकी दुनिया के प्रति इस तरह की जिम्मेदारियों से नहीं बचते।

महामारियां अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की परवाह नहीं करती तथा हमें और महामारियों को रोकने के लिए यह समझना होगा कि कोविड-19 कैसे आया।'' उन्होंने कहा कि अमेरिका कोविड-19 की उत्पत्ति का पता लगाने के लिए चीन पर पूरी तरह सूचना साझा करने और विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ सहयोग करने के लिए दबाव डालने के वास्ते

दुनियाभर के सभी साझेदारों के साथ काम करता रहेगा। बाइडन ने कहा कि अमेरिका महामारी के शुरुआती दिनों के आंकड़ें और सूचना साझा करने समेत वैज्ञानिक नियमों और मानकों तथा जैव सुरक्षा से संबंधित प्रोटोकॉलका पालन करने के लिए चीन पर दबाव डालता रहेगा। उन्होंने कहा, ''हमारी इस वैश्विक त्रासदी की पूरी और पारदर्शी जवाबदेही है। इससे कम कुछ भी मंजूर नहीं।

बेनकाब हुए इमरान खान, उपलब्धियां बताने के चक्कर में भारतीयों की तस्वीरों का किया इस्तेमाल, नवाज की पार्टी ने घेरा

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान की इमरान खान सरकार को तीन साल पूरे हो चुके हैं। इसी बीच विपक्षी दलों ने उन पर जमकर निशाना साधा है। दरअसल, इमरान खान सरकार अपनी

उपलब्धियों के बारे में लोगों को बताने के लिए पोस्टर, बैनर और ब्रॉशर का सहारा ले रहे हैं। लेकिन उनकी पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) से एक ऐसी गलती हो गई जिसकी वजह से इमरान खान की जमकर थू-थू हो रही है।

पीटीआई ने चोरी की भारतीयों की तस्वीर

इमरान की पार्टी ने पोस्टर, बैनर और ब्रॉशर में भारतीयों की तस्वीरों का इस्तेमाल किया है। इसी के चलते उन्हें विपक्षी पार्टियों की आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि इमरान की पार्टी ने भारतीयों की तस्वीरों का इस्तेमाल किया है। इसके साथ ही इन तस्वीरों को भारत की वेबसाइट से चोरी किया है।

मरियम औरंगजेब ने साधा निशाना

पाकिस्तान मुस्लिम लीग की नेता मरियम औरंगजेब ने पीटीआई को घेरते हुए कहा कि इमरान की पार्टी ने पोस्टर, बैनर और ब्रॉशर जारी किया है और उनमें जिन तस्वीरों का इस्तेमाल किया है वो भारतीयों की है। वहीं पीटीआई ने जिस वेबसाइट से तस्वीरें चोरी की हैं, मरियम औरंगजेब ने उसका नाम ही जारी कर दिया।

तालिबान की तरफदारी में व्यस्त पाकिस्तान में पानी की किल्लत, बूंद-बूंद के लिए तरस रहे लोग

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद से पाकिस्तान लगातार तालिबान की तरफदारी में जुटा हुआ है। तालिबान ने हाल ही में पाकिस्तान को अपना घर बताया था और कहा था कि दोनों की सीमाएं लगती हैं और दोनों का मजहब भी एक ही है। पाकिस्तान का तालिबान प्रेम भी दुनिया ने देखा है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री तालिबानी नेतृत्व से मुलाकात कर चुके हैं तो वहीं पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंच पर तालिबान के लिए अपील कर चुका है। बहरहाल तालिबान के प्रेम में डूबे पाकिस्तान की हालत यह है कि वहां लोग पानी की एक-एक बूंद के लिए तरस रहे हैं। सिंध इलाके में पीने के पानी और सिंचाई के पानी की जबरदस्त किल्लत हो गई है। पाकिस्तान प्रशासन ने क्षेत्र में कैनालों के बहाव को कम कर दिया है जिसकी वजह से वहां पीने और सिंचाई के लिए पानी की किल्लत हो गई है।

सिंध प्रक्षेत्र में आने वाले सभी तीनों बैराजों में पानी की कमी हो गई है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक सिंचाई के लिए वहां रोटेशन कार्यक्रम की शुरुआत की गई है ताकि किसी तरह खेतों में पानी पहुंचाया जा सके। सिंध के अलावा ब्लूचिस्तान प्रांत में भी पानी की

भारी किल्लत हो गई है। बताया जा रहा है कि यहां बैराज अथॉरिटी ने दो मुख्य कैनालों रोहरी तथा नारा में पानी के बहाव को कम किया है। बताया जा रहा है कि ब्लूचिस्तान स्थिति गुड्डू बैराज में 9 प्रतिशत और सुक्कूर बैराज में 35 फीसदी पानी की कमी है। कभी कोटरी बैराज में अगस्त के महीने में 9,000 क्यूसेक लीटर पानी था जो बहाव रोकने की वजह से 25 अगस्त को 397 क्यूसेक पर पहुंच गया। सिंचाई विभाग के आकड़े बताते हैं कि कोटरी बैराज में अधिकतम 250,345 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज हुआ है।

पाकिस्तान का मौसम विभाग पहले ही सिंध के दस जिलों में सूखा पड़ने की आशंका जता चुका है। सिंचाई मंत्री सियाल का कहना है कि प्रांत में बारिश नहीं हुई है। कृषि के लिए पानी नहीं है और इंसानी जरूरत को पूरा करने लायक भी पानी सिंध में नहीं बचा है। यदि जल्द बारिश नहीं होती, हाल बेहाल हो सकते हैं और कई अन्य जिले सूखे की चपेट में आ सकते हैं, इसमें कराची भी शामिल है।

अफगानिस्तान पर विशेष जी20 बैठक पर जोर दे रहा इटली

रोम (एजेंसी)।

इटली अफगानिस्तान पर एक विशेष बैठक के लिए जोर दे रहा है। हालांकि उसकी अंतिम निकासी उड़ान काबुल से निकल चुकी है। इटली के पास जी20 की रोटेशनल प्रसेडेंसी है। विदेश मंत्री लुइगी डि माओ ने शुक्रवार को कहा कि इटली की आखिरी एयरलिफ्ट उड़ान शनिवार को रोम में उतरने की उम्मीद है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने पुष्टि की कि कुछ 4,900 अफगान नागरिकों को ऑपरेशन के दौरान इतालवी बलों द्वारा वहां से निकाला गया है। अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव के साथ बैठक के बाद शुक्रवार को यहां आयोजित एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में डि माओ ने वैश्विक रणनीति की रूपरेखा तैयार करने के लिए सितंबर में अफगानिस्तान पर एक

असाधारण जी20 शिखर सम्मेलन आयोजित करने की देश की योजना को दोहराया। उन्होंने कहा, अफगानिस्तान आज हमारी बातचीत के केंद्र में रहा है .. इस संदर्भ में, हम रूस के साथ बातचीत को आवश्यक मानते हैं। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान पर एक विशेष जी20 बैठक आयोजित करने के लिए इटली का जोर इस विश्वास से उपजा है कि केवल काबुल में नए अधिकारियों के साथ एक व्यापक, सुसंगत और साझा कार्रवाई प्रभावी हो सकती है। हम मानते हैं कि मॉस्को मौजूदा संकट से निपटने में और एक लंबे परिप्रेक्ष्य में, एक एकीकृत अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण प्राप्त करने में एक प्रमुख खिलाड़ी है। इटली के दो दिवसीय दौरे पर आए लावरोव ने कहा कि सभी निकासी अभियान पूरे होने के बाद अफगानिस्तान के पड़ोसी देशों की सुरक्षा एक प्रमुख प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने जल्द से जल्द एक समावेशी कार्यकारिणी के गठन की सुविधा के लिए अफगान लोगों के समर्थन में तेजी लाने का भी आग्रह किया। शीर्ष रूसी राजनयिक ने कहा, आम समाधान कभी आसान नहीं होते हैं और हमारी राय में, मौजूदा स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण बात हमारी सीमाओं की सुरक्षा है।

काबुल एयरपोर्ट में घुस गया तालिबान, बड़े हिस्से पर स्पेशल फोर्स यूनिट बदरी 313 यूनिट के आतंकियों ने किया कब्जा

काबुल (एजेंसी)।

31 अगस्त की तारीख अमेरिकी सैनिकों के अफगानिस्तान से जाने की डेडलाइन है। अमेरिका के पास काबुल एयरपोर्ट का पूरा कंट्रोल था। लेकिन अब ये जानकारी सामने आई है कि काबुल एयरपोर्ट में तालिबान घुस गया है। काबुल एयरपोर्ट के बड़े हिस्से पर तालिबान का कब्जा हो गया है। तालिबान की बदरी 313 यूनिट के आतंकी वहां मौजूद हैं और काबुल एयरपोर्ट के हिस्से पर तालिबान का कंट्रोल हो गया है। तालिबान के प्रवक्ता बिलाल करीमी ट्विटर पर दावा किया है कि काबुल एयरपोर्ट की तीन जगहों पर अब तालिबान का कब्जा है। तालिबानी प्रवक्ता ने कहा है कि अब वो इस्लामिक अमीरात के नियंत्रण में हैं। अब एक छोटा सा हिस्सा ही अमेरिकियों के पास बचा है।

बता दें कि तालिबान ने अपनी स्पेशल यूनिट बदरी 313 को बहुत कठिन प्रशिक्षण दी है और किसी देश की आर्मी की भांति ही इसका अपना ड्रेस है। बदरी 313 किसी भी देश की अत्याधुनिक टुकड़ी की तर्ज पर लेटेस्ट हथियारों और अन्य उपकरणों से लैस है।

अमेरिका ने जताई हमलों का आशंका

यूएस सेंट्रल कमांड के हेड जनरल फ्रैंक मैकेंजी ने कहा कि सैनिकों को और ज्यादा अलर्ट रहने के लिए कहा गया है। आशंका है कि ढ्वस्ढ्वस और हमले कर सकता है. एयरपोर्ट को फिर से टारगेट किया जा सकता है।

अफगानिस्तान से लोगों की वापसी पर ध्यान दे रहे, वहां सरकार गठन पर स्पष्टता की कमी: भारत

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

काबुल हवाई अड्डे के बाहरआत्मघाती हमले में 100 से अधिक लोगों के मारे जाने की घटना के एक दिन बाद भारत ने शुक्रवार को कहा कि उसका पूरा ध्यान अफगानिस्तान से शेष भारतीयों को वापस लाने पर है और तालिबान को मान्यता देने या नहीं देने का सवाल अभी प्रासंगिक नहीं है क्योंकि पड़ोसी देश में सरकार गठन को लेकर अभी स्पष्टता की कमी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा कि भारत का पूरा ध्यान अफगानिस्तान में फंसे अपने नागरिकों को वापस लाने पर है।

उन्होंने कहा कि खराब होती सुरक्षा स्थिति के कारण बुधवार को काबुल हवाई अड्डे से भारत के लिये उड़ान भरने वाले विमान पर सवार होने के लिये करीब 20 भारतीय और अफगानिस्तान के कई लोग नहीं पहुंच सके। बागची ने कहा कि अफगानिस्तान से अपने घर लौटने को इच्छुक अधिकांश भारतीय नागरिकों को वहां से बाहर निकाल लिया गया है और वह पड़ोसी देश की स्थिति पर सावधानीपूर्वक नजर रखे हुए हैं। उन्होंने कहा, '' भारत का पूरा ध्यान अफगानिस्तान में फंसे अपने नागरिकों को वापस लाने पर है।÷ उन्होंने कहा, '' हम स्थिति पर लगातार सावधानीपूर्वक नजर रखे हुए हैं। यह उभरती हुई स्थिति है। '' यह पूछे जाने पर कि क्या भारत, अफगानिस्तान में तालिबान को मान्यता देगा, बागची ने कहा कि काबुल में किसी इकाई के सरकार बनाने को लेकर अभी कोई स्पष्टता नहीं है या स्पष्टता की कमी हैऔर अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी।

बागची ने कहा, '' जमीनी स्थिति अनिश्चित है। हमारी मुख्य चिंता अपने लोगों की सुरक्षा से जुड़ी है। अभी काबुल में किसी इकाई के सरकार बनाने को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है या स्पष्टता की कमी है। हम उभरती स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और अभी की स्थिति में मुझे इतना ही कहना है। '' उन्होंने कहा कि वहां स्थिति काफी कठिन है, अफगानिस्तान से वापसी के अभियान में उड़ानों को लेकर भारत विभिन्न पक्षों के सम्पर्क में है। उन्होंने कहा कि ऐसी खबरें है कि अफगानिस्तान के सिखों सहित वहां के कुछ नागरिक 25 अगस्त को काबुल हवाई अड्डे तक नहीं पहुंच सके और इसिलये हमारी उड़ान को उनके बिना ही आना पड़ा। बृहस्पतिवार को काबुल हवाई अड्डे के बाहर घातक विस्फोट ऐसे समय में हुआ जब अमेरिका एवं कुछ अन्य देश 31 अगस्त के वहां से बाहर निकलने की समयसीमा से पहले अपने नागरिकों और अफगानिस्तान के अपने सहयोगियों को बाहर निकाल रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या तालिबान के साथ पर्दे के पीछे किसी वार्ता में भारत शामिल है, बागची ने कहा कि भारत का सभी पक्षकारों के साथ सम्पर्क है और अफगानिस्तान के ताजा घटनाक्रम को लेकर वह सहयोगी देशों के सम्पर्क में है। उन्होंने कहा कि हमारा सम्पूर्ण आकलन यह है कि बहुसंख्य भारतीयों को वहां से निकाल लिया गया है तथा कुछ अन्य भारतीयों के अफगानिस्तान में होने की संभावना है और इनकी वास्तविक संख्या अभी उनके पास नहीं है। काबुल हवाई अड्डे के बाहर विस्फोट के बारे में उन्होंने कहा कि यह चिंता का विषय है और हम सभी सहयोगियों के सम्पर्क में हैं। उन्होंने भारत सरकार की ओर से प्रदान की गई ई-वीजा सुविधा का भी जिक्र किया। अफगानिस्तान की महिला सांसद रंगीना करगर को वापस लौटाने संबंधी एक सवाल के जवाब में बागची ने कहा कि 15 अगस्त के बाद वहां सुरक्षा स्थिति खराब हो गई और ऐसी खबरें आई कि कुछ लोगों के एक समूह ने काबुल में हमारी आउटसोर्सिंग एजेंसियों पर धावा बोल दिया जहां भारतीय वीजा के साथ अफगान पासपोर्ट थे। प्रवक्ता ने कहा कि इसके बाद भारतीय प्रशासन उच्च सतर्कता की स्थिति में आ गया था। हमने ई-वीजा सुविधा शुरू की। ऐसा प्रतीत होता है कि इसके कारण कुछ भ्रम उत्पन्न हो गया और अफगानिस्तान के एक खास नागरिक को प्रवेश देने से मना करने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी।

आत्मघाती हमलों के बाद काबुल में गोलीबारी, चारों तरफ अफरा तफरी का माहौल

काबुल। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के हवाई अड्डे के पास हुए आत्मघाती हमलों के दो दिन बाद फिर से भारी गोलीबारी की खबर सामने आ रही है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक काबुल में गोलीबारी जारी है। जिसकी वजह से अफरा तफरी का माहौल है। लोग दहशत में इलाके को छोड़कर भाग रहे हैं।

काबुल हवाई अड्डे पर हुआ था हमला

दो दिन पहले काबुल हवाई अड्डा पर दो आत्मघाती हमले में 169 लोगों की मौत हो गई। जिसमें 13 अमेरिकी सैनिक भी शामिल थे। हमले के बाद इस्लामिक स्टेट-खुरासान ने इसकी जिम्मेदारी दी। हमले की जो तस्वीरें सामने आईं वो सभी को विचलित कर देने वाली थीं।

अमेरिका ने लिया बदला

अमेरिका ने अफगानिस्तान में इस्लामिक स्टेट के साजिशकर्ता के खिलाफ ड्रोन हमला किया। अमेरिका ने काबुल हवाई अड्डे के करीब हुए आत्मघाती हमलों के 48 घंटे के भीतर ही बदला ले लिया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक अमेरिका ने अफगानिस्तान के नांगहर प्रांत में मानवरहित हवाई हमला किया। जिसमें काबुल हवाई अड्डे का मुख्य साजिशकर्ता ढेर हो गया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

ममता के भतीजे अभिषेक को ईडी का समन, पत्नी रुजिरा से 1 सितंबर को होगी पूछताछ, दोनों से मांगी बैंक की जानकारी

कोलकाता। कोयला घोटाला से जुड़े मामले को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी को समन भेजा है। इस मामले में अभिषेक बनर्जी समेत 5 लोगों से पूछताछ होगी। तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को ईडी ने 3 सितंबर को पूछताछ के लिए बुलाया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक ईडी ने अभिषेक बनर्जी की पत्नी रुजिरा बनर्जी को 1 सितंबर के दिन पेश होने के लिए कहा है। इसके साथ ही दोनों को बैंक खातों की जानकारी मुहैया कराने को भी कहा है। अधिकारियों ने बताया कि मामले से जुड़े कुछ अन्य लोगों को भी अगले महीने अलग-अलग तारीखों पर पेश होने के लिए समन जारी किया गया है। बता दें कि ईडी ने सीबीआई की साल 2020 की एक प्राथमिकी का अध्ययन करने के बाद धनशोधन की आपराधिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। जिसके आधार पर समन भेजा है।

तालिबानियों का समर्थन करने वाले मुनव्वर राणा के खिलाफ उतरे संत, महंत परमहंस दास ने फूंका पोस्टर

अयोध्या। अफगानिस्तान में तालिबानियों द्वारा हो रहे उत्पीड़न और बड़ी संख्या में मारे गए लोगों को लेकर भारत में भी प्रतिक्रियाओं का दौर तेज हो चला है। इसी बीच तालिबान के समर्थन में बयान देने पर मशहूर शायर मुनव्वर राणा के खिलाफ अयोध्या संतों ने विरोध जताया है। तपस्वी छावनी के संत परमहंस दास ने मुनव्वर राणा का पोस्टर जला कर विरोध किया। तपस्वी छावनी के महंत परमहंस दास ने मुनव्वर राणा का विरोध करते हुए कहा कि जो लोग भारत मे रहकर तालिबान का समर्थन करते हैं। उन्हें भारत मे रहने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि जो भी लोग भारत मे रहते हुये भी तालिबान का समर्थन कर रहे हैं। उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाये। उन्होंने मांग की है कि देश विरोधी नारे लगाने वालों के खिलाफ स्पेशल कानून बनाया जाये। जिससे उनके खिलाफ 24 घंटे में कठोर कार्रवाई हो। उन्होंने कहा कि सरकार के इस कदम से देश में रहकर देश विरोधी बात करने वालों में एक कला संदेश भी जाएगा।

स्कूल फिर से खोलने से पहले दिल्ली सरकार ने कर्मचारियों के टीकाकरण का निर्देश दिया

नयी दिल्ली। दिल्ली सरकार ने निजी सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों को निर्देश दिया है कि वे एक सितंबर से कक्षा नौवीं से 12वीं के लिए स्कूलों को फिर से खुलने से पहले अपने शिक्षकों और कर्मचारियों का टीकाकरण कराएं। दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग ने इस संबंध में एक परिपत्र जारी किया। यहां कोविड-19 की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार के बाद, दिल्ली सरकार ने शुक्रवार को घोषणा की कि कक्षा नौवीं से 12वीं तक के स्कूल, कॉलेज और कोचिंग संस्थान एक सितंबर से फिर से खुलेंगे। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की बैठक में यह फैसला लिया गया।

दिल्ली सरकार ने पद्म पुरस्कारों के लिए तीन डॉक्टरों के नाम केंद्र को भेजे

नयी दिल्ली। दिल्ली सरकार की एक समिति ने इस साल पद्म पुरस्कारों की अनुशंसा के लिए चिकित्सकों एस के सरीन, सुरेश कुमार और संदीप बुद्धिराजा के नामों को चुना है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 9,427 लोगों द्वारा कुल 740 चिकित्सकों और पराचिकित्सकों (पैरामेडिक्स) के नामों की पुरस्कार के लिए अनुशंसा की गई थी, जिनमें से तीन नामों का चयन उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा किया गया। समिति ने आईएलबीएस के कुलपति डॉ एस के सरीन जिन्होंने दिल्ली सरकार के पहले प्लाज्मा बैंक और जीनोम सीक्वेंसिंग केंद्र की स्थापना की, एलएनजेपी अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ सुरेश कुमार और मैक्स अस्पताल के समूह निदेशक डॉ संदीप बुद्धिराजा का नाम चुना है। केजरीवाल ने बताया कि दिल्ली सरकार ने इस साल पद्म पुरस्कारों के लिए केवल चिकित्सकों और पराचिकित्सकों के नामों की अनुशंसा करने का फैसला किया है और दिल्लीवासियों से नामों पर सुझाव मांगे थे।

पाकिस्तान की जेल में रिहा होगा मध्यप्रदेश का व्यक्ति, अगले सप्ताह लौटेगा स्वदेश

सागर (मप्र)। मध्यप्रदेश के सागर जिले के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि अनजाने में पड़ोसी देश पाकिस्तान में प्रवेश करने के बाद वहां की जेल में लंबे समय तक बंद रहा 57 वर्षीय व्यक्ति रिहा होकर अगले सप्ताह अपने घर वापस लौटेगा। सागर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अतुल सिंह ने शनिवार को बताया कि जिला मुख्यालय से करीब 46 किलोमीटर दूर गौरझामर थाना क्षेत्र के घोसी पट्टी गांव का निवासी प्रहलाद सिंह को 30अगस्त को वाघा सीमा पर भारत को सौंपा जाएगा। अधिकारी ने बताया कि वह व्यक्ति 30 साल पहले अपने घर से लापता हो गया था और जनवरी 2014 में मध्यप्रदेश सरकार को यह पता चला कि वह पाकिस्तान की जेल में बंद है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने 2014 में प्रहलाद को पाकिस्तान से वापस लाने के लिए पहचान और पत्राचार की प्रक्रिया शुरू की थी।

भारत में भी स्वदेशी पोत निर्माण का हब बनने की संभावना, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिए संकेत

चेन्नई। (एजेंसी)।

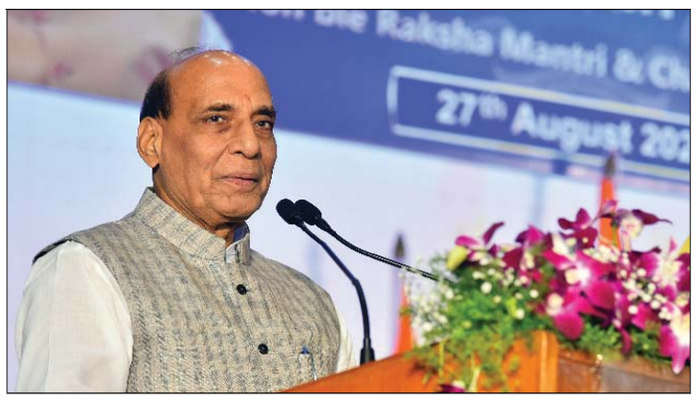

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि देश में स्वदेशी पोत निर्माण का हब बनने की ''असीम संभावना'' है। साथ ही उन्होंने कहा कि केंद्र घरेलू उद्योग को विश्व स्तरीय बनाने में मदद के लिए कई नीतियां लाया है। भारतीय तटरक्षक बल के पोत (आईसीजीएस) 'विग्रह' को यहां नौसेना के बेड़े में शामिल करने के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में सिंह ने कहा कि अगले दो वर्षों में दुनियाभर में सुरक्षा पर खर्च दो लाख दस हजार करोड़ डॉलर तक पहुंच जाएगा। 'विग्रह' सात अपतटीय गश्ती जहाजों में आखिरी जहाज है। उन्होंने कहा, ''ज्यादातर देशों का पूरे एक साल के लिए भी इस स्तर का बजट नहीं है। अगले पांच वर्षों में इसके कई गुना तक बढ़ने की संभावना है। ऐसी स्थिति में आज हमारे पास अपनी क्षमताओं का पूरा इस्तेमाल करने, नीतियों का फायदा उठाने और देश को स्वदेशी जहाज निर्माण का हब बनाने की ओर बढ़ने की असीम संभावना है।''

रक्षा मंत्री ने कहा, ''मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि इन संभावनाओं पर विचार करते हुए सरकार ने विश्व स्तर पर पहचान बनाने के लिए पहले ही ऐसी नीतियां बनायी है जो हमारे घरेलू उद्योग को मदद करती हैं चाहे वह सार्वजनिक क्षेत्र हो या निजी क्षेत्र की संस्था हो।'' आईसीजीएस विग्रह पर उन्होंने कहा, ''इसके डिजाइन से लेकर विकास तक यह जलपोत पूरी तरह स्वदेशी है।'' उन्होंने कहा कि भारतीय रक्षा के इतिहास में पहली बार निजी क्षेत्र की कंपनी लार्सन एंड टूब्रो के साथ एक या दो नहीं बल्कि सात जहाजों के लिए करार हुआ है।

सिंह ने कहा, ''सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि 2015 में इस समझौते पर हस्ताक्षर के सात वर्षों के भीतर आज इन सभी सात जहाजों को शामिल करने की प्रक्रिया पूरी हो गयी है।'' रक्षा विभाग ने एक बयान में कहा कि 98 मीटर लंबे जहाज में 11 अधिकारी और 110 नौसैनिकों के सवार होने की क्षमता है तथा इसे लार्सन एंड टूब्रो शिप बिल्डिंग लिमिटेड ने बनाया है। यह उन्नत तकनीकी रडार, नौवहन और संचार उपकरणों, सेंसर से लैस है। आईसीजीएस विग्रह दोहरे इंजन वाले एक हेलीकॉप्टर और चार तेज गति वाली नौकाओं का भार उठा सकता है। जहाज समुद्र में तेल बिखरने से निपटने के लिए प्रदूषण नियंत्रण उपकरण का भार भी उठा सकता है। यह जहाज 40/60 बोफोर्स गन से लैस है। सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे, तटरक्षक बल के महानिदेशक के. नटराजन और तमिलनाडु के उद्योग मंत्री थंगम थेन्नारासू ने कार्यक्रम में भाग लिया।

माफिया डॉन मुख्तार के भाई और अम्बिका चौधरी समाजवादी पार्टी में हुए शामिल

मथुरा। (एजेंसी)।

लखनऊ। माफिया डान और बहुजन समाज पार्टी के विधायक मुख्तार अंसारी के बड़े भाई सिबगतुल्लाह अंसारी ने आज अपने बेटे के साथ समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। इसके साथ ही पूर्व सपा नेता अम्बिका चौधरी ने भी बेटे से साथ घर वापसी कर लगी। मुलायम सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे अम्बिका चौधरी लोकसभा चुनाव के दौरान बहुजन समाज पार्टी में शामिल हो गए थे। अब वह फिर समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए हैं। मऊ से बहुजन समाज पार्टी के विधायक मुख्तार अंसारी के भाई पूर्व विधायक सिबगतुल्लाह अंसारी आज बेटे मुन्नू अंसारी के साथ अखिलेश यादव की मौजूदगी में सपा में शामिल हुए। मुहम्मदाबाद विधानसभा से दो बार विधायक रहे चुके मुख्तार के बड़े भाई सिबगतुल्लाह समर्थकों के साथ गाजीपुर से लखनऊ पहुंचे। सिबगतुल्लाह अंसारी गाजीपुर की मोहम्मदाबाद सीट से विधायक रह चुके हैं। 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की अलका राय से उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। अब एक बार फिर वो सपा का दामन थाम रहे हैं, ऐसे में लगभग तय है कि उन्हें या उनके बेटे को 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा वहां से टिकट देगी। ऐसे में गाजीपुर की सियासत एक बार फिर से दिलचस्प होने जा रही है।

प्रियंका गांधी का सरकार पर आरोप, कहा- बीजेपी के अरबपति मित्रों के फायदे के लिए है कृषि कानून

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने शनिवार को आरोप लगाया कि तीनों ''काले कृषि कानून भाजपा के अरबपति मित्रों के फायदे'' के लिए लाए गए हैं। उन्होंने हिमाचल प्रदेश में अडानी समूह द्वारा सेब के दाम घटाने से किसानों को परेशानी होने के दावे वाली एक खबर का हवाला देते हुए ट्वीट किया, ''किसान काले कृषि कानूनों का विरोध क्यों कर रहे हैं? क्योंकि अगर किसानों की मेहनत से उगाई गई फसल के दाम व अन्य चीजें तय करने का अधिकार भाजपा के अरबपति मित्रों को दे दिया गया तो यही हाल होगा।''

कांग्रेस महासचिव ने आरोप लगाया, ''काले कृषि कानून भाजपा के अरबपति मित्रों के फायदे के लिए हैं।'' प्रियंका ने एक अन्य ट्वीट में उत्तर प्रदेश में अपराध की घटनाओं को लेकर राज्य की भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री जी, आपके होर्डिंग्स, विज्ञापनों में तो सब ठीक ठाक बताया जाता है।

ममता बनर्जी को जान से मारने की धमकी देने वाली फेसबुक पोस्ट पर कोलकाता के प्रोफेसर के खिलाफ एफआईआर दर्ज

कोलकाता। (एजेंसी)।

सोशल मीडिया पर कथित तौर पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जान से मारने की धमकी देने के लिए कलकत्ता विश्वविद्यालय के एक प्राध्यापक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को बताया कि यह मामला पीएचडी शोधार्थी तमाल दत्ता द्वारा की गई शिकायत के आधार पर हरे स्ट्रीट पुलिस थाने ने जंतु विज्ञान विभाग के प्राध्यापक अरिंदम भट्टाचार्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस संयुक्त आयुक्त (अपराध) मुरलीधर शर्मा ने बताया कि भट्टाचार्य के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (भादंसं) की धारा 505 (1बी) (जनता को डराने या चिंतित करने की मंशा), 506 (जान से मारने या गंभीर चोट पहुंचाने की धमकी) और 120बी (आपराधिक षड्यंत्र रचने) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने बताया कि प्राध्यापक को फिलहाल हिरासत में नहीं लिया जा सका है। भट्टाचार्य से संपर्क करने पर उन्होंने बताया, ÷मैंने मुख्यमंत्री के खिलाफ किसी तरह की टिप्पणी नहीं की। शिकायतकर्ता तृणमूल कांग्रेस का समर्थक है। मैं पुलिस के कदम उठाने की प्रतीक्षा कर रहा हूं और उसके बाद ही इस पर कानूनी सलाह लूंगा।÷ तृणमूल कांग्रेस समर्थित पश्चिम बंगाल कॉलेज एवं विश्वविद्यालय प्राध्यापक संगठन ने भट्टाचार्य की सोशल मीडिया पोस्टों की निंदा की है। अप्रैल 2012 में, यादवपुर विश्वविद्यालय के रसायन शास्त्र के प्राध्यापक अंबिकेश महापात्रा को मुख्यमंत्री का मजाक उड़ाते हुए एक कार्टून कथित रूप से लोगों को भेजने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

तीसरी लहर को लेकर तैयारियों में जुटी केजरीवाल सरकार, लगभग 7000 बेड किए जा रहे तैयार

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

कोरोना वायरस की संभावित तीसरी लहर की आशंका के बीच सरकारें अपनी तैयारियां कर रही हैं। दिल्ली में भी तीसरी लहर की आशंका को लेकर तैयारियां शुरू की जा चुकी है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सरकारी अस्पतालों के अंदर 6,800 नए बेड तैयार किए जा रहे हैं, ये बेड छह महीने में बनकर तैयार हो जाएंगे। आज दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में 10,000 बेड हैं, ये 70प्र. का इज़ाफ़ा है।

केजरीवाल ने मयूर विहार फेज़-1 फ्लाईओवर पर बने नए 'क्लोवरलीफ़' की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि बारापुला फेज़-3 से जुड़े इन लूप और रैम्प के खुलने से अब दिल्ली के लोगों को काफ़ी सहूलियत मिलेगी। ख़ासकर दिल्ली-नोएडा के बीच सफ़र करने वाले लोगों को इसका काफ़ी फ़ायदा होगा। स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि दिल्ली सरकार शालीमार बाग, किराड़ी, सरिता विहार, सुल्तानपुरी, रघुवीर नगर, GTB अस्पताल के साथ-साथ चाचा नेहरू अस्पताल में रू1216.72 करोड़ की लागत से 6836 नए बेड बनाने जा रही है। आज मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने इस परियोजना को मंजूरी दी।

आपको बता दें कि दिल्ली में शुक्रवार को कोविड-19 के किसी मरीज की मौत नहीं हुई जबकि 46 नये मामले सामने आये। शहर के स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक संक्रमण की दर 0.06 प्रतिशत है। राष्ट्रीय राजधानी में वैश्विक महामारी की दूसरी लहर शुरू होने के बाद से 17वीं बार ऐसा हुआ है जब किसी दिन में किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 18 जुलाई, 24 जुलाई, 29 जुलाई, दो अगस्त, चार अगस्त, आठ अगस्त, 11 अगस्त और 12 अगस्त, 13 अगस्त ,16 अगस्त, 20 अगस्त, 21 अगस्त, 22 अगस्त, 23 अगस्त और 24 अगस्त और 26 अगस्त को भी कोविड-19 से किसी की मौत नहीं हुई थी।

अनिल विज का सिद्धू पर तंज, कहा- जब कोई अपने ही घर की ईटें उठाकर फेंकने लग जाए तो समझो...

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पंजाब में कांग्रेस के अंदर की अंतर्कलह लगातार बड़ी होती जा रही है। आलाकमान की ओर से इसे सुलझाने की कोशिश तो जरूर की जा रही है लेकिन मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह बनाम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू के बीच दूरियां कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। आलम यह है कि दोनों नेता लगातार एक दूसरे के खिलाफ हैं। दोनों नेताओं के अलग-अलग गुट हैं और एक दूसरे पर हमलावर हैं। इसी को लेकर नवजोत सिंह सिद्धू ने एक कार्यक्रम में कहा था कि अगर उन्हें काम करने नहीं दिया गया तो वह ईट से ईट बजा देंगे।

इसी पर भाजपा की ओर से प्रतिक्रिया दी गई है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने सिद्धू पर तंज कसा है। न्यूज़ एजेंसी एएनआई के मुताबिक अनिल विज ने कहा कि पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू उर्फ मिस्त्री अपने ही घर की ईंट से ईंट बजाने की बात कर रहे हैं। जब कोई मिस्त्री अपने ही घर की ईंटें उठाकर फेंकने लग जाए तो समझो कि अब उस घर के धराशायी होने में देर नहीं है।

कांग्रेस महासचिव हरीश रावत ने पार्टी अध्यक्षा सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मैंने अपनी बात उनके (सोनिया गांधी) सामने रख दी है, उनके मार्गदर्शन का अनुसरण होगा। भाजपा अपना घर देखे, हम अपना घर संभालने के लिए सक्षम हैं।

ड्रोन के ट्रैफिक को कंट्रोल करने के लिए बनाया जा रहा प्लेटफॉर्म, जीपीएस से रखी जाएगी नजर

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्र सरकार ने नयी ड्रोन नीति को जारी की थी। जिसके माध्यम से ड्रोन परिचालन को सुगम बना दिया है। अब आसमान में ड्रोन ही ड्रोन दिखाई देंगे। लेकिन ड्रोनों की वजह से आसमान में ट्रैफिक भी बढ़ जाएगा। ऐसे में ड्रोन आपस में टकरा भी सकते हैं। इसके लिए सरकार ने क्या योजना बनाई है ? आपको बता दें कि जिस तरह से विमानों के ट्रैफिक की जिम्मेदारी हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) के पास होती है। ठीक इसी प्रकार से ड्रोन के लिए स्काई डिजिटल प्लेटफॉर्म होगा जो इसका काम देखेगा।

ड्रोन का रूट तय करने का काम स्काई डिजिटल प्लेटफॉर्म करेगा। इसके लिए अनुमति लेनी पड़ेगी जिसकी तत्काल प्रभाव से मंजूरी मिल जाएगी। अलग-अलग ड्रोन के लिए अलग-अलग रूट दिया जाएगा और उन्हें उसी रूट पर उड़ने की इजाजत होगी। लेकिन ड्रोन अगर रास्त भटक जाता है तो उसे मैसेज भेजकर इसकी जानकारी दी जाएगी और फिर उसे वापस से तय रूट पर उड़ान भरनी पड़ेगी। इसके लिए जीपीएस सिस्टम का इस्तेमाल होगा।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक स्काई डिजिटल प्लेटफॉर्म अगले 30 दिनों में तैयार हो जाएगा। वहीं दुश्मन ड्रोन के खात्मे के लिए भी एंटी ड्रोन सिस्टम तैयार किया जा रहा है। इस सिस्टम को तैयार करने के लिए रक्षा मंत्रालय, गृह मंत्रालय और बीएसएफ मिलकर काम कर रहा है।

ग्रीन जोन में उड़ेंगे ड्रोन

ड्रोन नियम 2021 के मुताबिक ड्रोन ग्रीन जोन में 400 फुट तक की ऊंचाई तक उड़ान भर सकता है। इसके लिए अनुमति लेनी पड़ेगी। नए नियम के मुताबिक ड्रोन के हस्तांतरण एवं पंजीकरण को रद्द करने के लिए आसान प्रक्रिया भी निर्धारित की है। नियमों में कहा गया है कि माइक्रो ड्रोन (गैर-व्यावसायिक उपयोग के लिए) और नैनो ड्रोन के लिए किसी पायलट लाइसेंस की आवश्यकता नहीं होगी।

गृह मंत्रालय ने राज्यों से कहा- सुनिश्चित करें,आगामी त्योहारों के सीजन में कहीं न उमड़े भीड़

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्र ने शनिवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि आगामी त्योहारी सीजन के दौरान कोई बड़ी भीड़ एकत्र न हो और जरूरत पड़ने पर कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए स्थानीय प्रतिबंध लगाने को भी कहा। केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने जारी कोविड-19 दिशा-निर्देशों को एक और महीने के लिए 30 सितंबर तक बढ़ाते हुए कहा कि कुछ राज्यों में दिख रहे स्थानीय प्रसार को छोड़कर, वैश्विक महामारी की समूची स्थिति अब राष्ट्रीय स्तर पर काफी हद तक स्थिर दिखती है। उन्होंने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को लिखे गए एक जैसे पत्रों में कहा कि कुछ जिलों में उपचाराधीन मरीजों की संख्या और उच्च संक्रमण दर चिंता का विषय बनी हुई है। पत्र में उन्होंने कहा,'संबंधित राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासनों को, अपने जिलों में उच्च संक्रमण दर को देखते हुए, सक्रिय रूप से रोकथाम के उपाय करने चाहिए ताकि मामलों में वृद्धि को प्रभावी ढंग से रोका जा सके और प्रसार को रोका जा सके। उन्होंने कहा, 'संभावित वृद्धि की चेतावनी के संकेतों को जल्दी पहचानना और प्रसार को रोकने के लिए उचित उपाय करना महत्वपूर्ण है। इसके लिए स्थानीय दृष्टिकोण की आवश्यकता होगी, जैसा कि स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की 25 अप्रैल और 28 जून की सलाह में उल्लेख किया गया है।' गृह सचिव ने उन्हें आगामी त्योहारों के सीजन में बड़ी सभाओं से बचने के लिए उपयुक्त उपाय करने की सलाह दी और यदि आवश्यक हो, तो ऐसी सभाओं को रोकने के लिए स्थानीय प्रतिबंध लागू करें।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऑनलाइन पढ़ाई करते करते गलत आदतों की शिकार हो गई किशोरी

क्रांति समय

अहमदाबाद,कोरोना महामारी में ऑनलाइन शिक्षा के लिए मोबाइल या लेपटॉप बच्चों के हाथ आ गए। ज्यादातर बच्चों ने उसका सदुपयोग किया तो कई गलत आदतों का शिकार हो गए। अहमदाबाद के मणीनगर से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसने अभिभावकों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। इस घटना से सभी अभिभावकों को सबक लेना चाहिए और अपने बच्चों की ऑनलाइन पढ़ाई पर ध्यान देना चाहिए। दरअसल मणीनगर में रहनेवाली 15 वर्षीय किशोरी कोरोना महामारी के कारण ऑनलाइन पढ़ाई करती थी। कमरे में अकेली ऑनलाइन पढ़ाई कर बेटी क्या कर रही है, इस पर उसके माता-पिता ने कभी ध्यान नहीं दिया। नतीजा यह हुआ कि किशोरी पढ़ाई छोड़ अपने शरीर के गुप्त भागों की तस्वीरें खींचने लगी और यह उसकी आदत बन गई। बाद में वह अपने न्यूड वीडियो बनाने लगी। हद तो तब हो गई जब लड़की अपने न्यूड वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट करने लगी। जिसके बाद गंदी प्रतिक्रिया का दौर शुरूहो गया और उससे लड़की हौसला बढ़ गया। किशोरी की इन करतूतों को खुलासा तब हुआ जब उसने अपनी मौसी की लड़की को बताया। मौसम की लड़की ने अपने माता-पिता से किया। किशोरी के अभिभावक को पता चला तो वह चौंक उठे और बेटी को समझाया। लेकिन वह नहीं मानी। बाद में माता-पिता ने महिला हेल्पलाइन अभयम की मदद ली। अभयम की टीम द्वारा समझाए जाने पर किशोरी ने अपनी गलती स्वीकार की और इंस्टाग्राम एकाउंट डिलीट कर दिया। साथ ही अपने माता की उपस्थिति में ऑनलाइन पढ़ाई करने का वादा किया।

सोशल मीडिया पर कार्यकर्ताओं ने उठाए सवाल

सूरत में ४ करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत पुल के पोस्टर से गायब हुए स्थानीय भाजपा विधायक

क्रांति समय

सुरत,भाजपा नेताओं के बीच आंतरिक तनाव बढ़ता जा रहा है। किसी कार्य की स्वीकृति से मान-प्रतिष्ठा में खटास आने का जुआ होता है। पर्वत पाटिया दुंभल क्षेत्र में माधवबाग सोसायटी के पास पुल को मंजूरी दी गई है। पुल के लिए 4 करोड़ 12 लाख रुपये आवंटित करने पर भाजपा नेताओं को बधाई दी जा रही है. माधवबाग सोसाइटी जो क्षेत्र है वह चोरयासी के विधायक जखना पटेल के निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आता है। भले ही दुंभल परतापतिया का अधिकांश इलाका 84वें विधानसभा क्षेत्र में आता है, लेकिन बीजेपी के जो पोस्टर दिख रहे हैं उनमें जंखाना पटेल की जगह संगीता पाटिल की तस्वीर है. ऐसे में कार्यकर्ताओं ने सोशल मीडिया पर सवाल खड़े किए हैं.

पार्टी के प्रोटोकॉल के अनुसार, कार्यकर्ताओं के पास संगीता पाटिल के निर्वाचन क्षेत्र से चौरासी से अधिक विधानसभा क्षेत्र हैं। हालांकि, ऐसा लगता है कि सिर्फ संगीता पाटिल की फोटो ज़ंखाना पटेल को नज़रअंदाज़ करके ही रह गई है। भाजपा के पूर्व पार्षद और जल समिति के अध्यक्ष हिम्मत बेल्दिया ने फेसबुक पर एक पोस्ट किया है। जिसमें उन्होंने लिखा है कि वह बिना किसी विधायक का नाम लिए 84 विधानसभा क्षेत्रों के विधायक को भूल गए हैं। उनके अलावा डंभल पर्वत पाटिया निर्वाचन क्षेत्र में ज़ंखाना पटेल के समर्थकों में भी आंतरिक आक्रोश है, लेकिन पार्टी के प्रोटोकॉल और अनुशासन के कारण कोई भी सार्वजनिक रूप से बोलने को तैयार नहीं है, लेकिन आंतरिक बड़बड़ाहट है।

પરવત પાટિયા પાસે ની માધવ બાગ સોસાયટી ચોર્યાસી વિધાનસભા માં આવે છે .. એના ધારાસભ્ય શ્રી , ભારતીય જનતા પાર્ટીના જ છે..

जंखाना पटेल के समर्थकों में इस बात का गुस्सा है कि बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष और नवसारी सांसद सीआर पाटिल और संगीता पाटिल कोई सवाल उठाने को तैयार नहीं हैं क्योंकि उनके पास फोटो हैं. क्योंकि, अगर आप संगीता पाटिल का विरोध करते हैं, तो सीधे सी. आर। पाटिल को जिस तरह का डर सता रहा है। जिसके चलते जंखाना पटेल के समर्थक भी इस मुद्दे पर स्पष्ट बोलने को तैयार नहीं हैं।

सूरत के एक व्यापारी से कपड़ा खरीदने के बाद अहमदाबाद के व्यापारी ने पैसे देने के बदले ठग भेजने की धमकी दी

क्रांति समय

सूरत के घोड्डोद रोड पर रहने वाले और रिंग रोड पर श्री महालक्ष्मी मार्केट में दुकान रखने वाले एक कपड़ा व्यापारी की मुलाकात अहमदाबाद के एक ठग व्यापारी से हुई। अहमदाबाद के व्यापारी ने अलग-अलग समय पर व्यापारी से 37.98 लाख रुपये का सामान खरीदा था। हालांकि, उसने माल के लिए भुगतान नहीं किया और इसके बजाय कम गुणवत्ता वाला माल भेजा। हालांकि, शेष 13.92 लाख रुपये का भुगतान नहीं किया गया और हाथ खड़े कर दिए गए। जब व्यापारी पैसे जमा कर रहा था, अहमदाबाद के एक व्यापारी ने ठगों को भेजा और जान से मारने की धमकी दी। इसलिए पीड़ित व्यापारी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

अहमदाबाद के अंकित साबू ने कपड़ा खरीदा

रमेशकुमार चंदनदास नंदवानी यूवी 63 (घोड्डोद रोड काकड़िया कॉम्प्लेक्स के पीछे शंशाक अपार्टमेंट) ने कहा कि वह मोहिंदर एंटरप्राइज और रेशमा क्रिएशन के नाम से रिंग रोड महालक्ष्मी टेक्सटाइल मार्केट में एक दुकान के मालिक हैं। अहमदाबाद वनिज्य भवन के पीछे सुमेल बिजनेस पार्क में 23 जनवरी 2016 से 1 अप्रैल 2018 तक पार्थ इंटरप्राइज (एचयूएफ) के नाम से कारोबार कर रहे अंकित शेवंतीलाल साबू ने 37,98,987 रुपये का कपड़ा खरीदा।

वह ठगों को भेजकर और निर्धारित समय सीमा में भुगतान नहीं करने की धमकी देकर पैसे वसूलने लगा। अंकित ने भुगतान के बदले घटिया और घटिया माल लौटा दिया और नई मांग करने के बावजूद 13,92,376 रुपये का भुगतान नहीं किया। उसने धमकी दी कि अगर उसने अभी से भुगतान लिया तो वह ठग भेजकर जान से मार देगा।बाकी पैसे मिलने के बाद उसने थाने का दरवाजा खटखटाया। सलाबतपुरा पुलिस ने अंकित शाह के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की है.

मंगेतर से मिलकर लौट रही युवती को कार ने कुचला, ड्राइवर गिरफ्तार

क्रांति समय

वडोदरा,शहर के अकोटा दांडिया बाजार ब्रिज एक्टिवा सवार युवती को कार ने अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में युवती की घटनास्थल पर मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब युवती अपने मंगेतर से मिलकर घर लौट रही थी। पुलिस ने कार चालक को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरूकी है। जानकारी के मुताबिक वडोदरा निवासी 24 वर्षीय नम्रता सोलंकी की हाल ही आणंद जिले के करमसद में रहनेवाले दिव्यांग दर्जी से हुई थी। बीते दिन शाम 6.30 बजे वडोदरा के अकोटा ब्रिज के निकट अपने मंगेतर दिव्यांग से मिलने गई थी। दिव्यांग से मिलकर नम्रता एक्टिवा पर अपने घर की ओर लौट रही थी। उस वक्त अकोटा दांडिया बाजार ब्रिज पर तेज रफ्तार कार ने एक्टिवा सवार नम्रता को कुचल दिया। इस हादसे में नम्रता की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। रावपुरा पुलिस ने मृतका के भाई की शिकायत के आधार पर कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया और कुछ ही घंटों में आरोपी मित्तल पटेल को गिरफ्तार कर लिया। नम्रता की मौत से परिवार टूट गया है। कुछ महीनों के बाद उसकी शादी होनेवाली थी, लेकिन उससे पहले वह हमेशा के लिए दुनिया से बिदा हो गई।

फिलहाल राज्य में सिंचाई के लिए पानी नहीं छोड़ा जाएगा,पेयजल को प्राथमिकता

क्रांति समय

अहमदाबाद,गुजरात में बारिश नहीं होने से किसान अपनी कृषि फसलों को लेकर चिंतित हैं। अगस्त महीने में बारिश नहीं होने पर उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल किसानों को सिंचाई के लिए पानी छोड़ने का ऐलान किया था। लेकिन अब सरकार ने किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है और कहा है कि फिलहाल राज्य में सिंचाई के लिए पानी नहीं छोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा कि राज्य में पेयजल की आपूर्ति जारी है और पीने के पानी को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया है कि सिंचाई के लिए पानी छोड़ने की फिलहाल कोई योजना नहीं है। राज्य में पीने के पानी का पर्याप्त स्टॉक है और पेयजल की व्यवस्था सरकार की पहली प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई है राज्य में अच्छी बारिश हो। सिंचाई के लिए पानी नहीं देने के मुख्यमंत्री के बयान पर राष्ट्रीय किसान संघ ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है। किसान संघ ने कहा कि किसानों को बारिश होने की आशा है और उन्हें अपनी वैकल्पिक व्यवस्था के तहत भी फसल बचाने का प्रयास करना चाहिए। हांलाकि जिन इलाकों में 28 दिनों से बारिश नहीं हुई या 10 ईंच से कम बारिश हुई है, उन क्षेत्रों में राज्य सरकार को सर्वे शुरू कर देना चाहिए।

सिंचाई के पानी नहीं देने के मुख्यमंत्री के बयान पर किसान संघ ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सरकार फैसला करेगी।

देश में जब तक हिंदू समुदाय बहुसंख्यक है तभी तक कानून और संविधान:नितिन पटेल

क्रांति समय

गांधीनगर,गुजरात के उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने यह कहकर नया विवाद छेड़ दिया है जब तक हिंदू बहुसंख्यक हैं, तभी तक देश में संविधान और कानून का राज है। उन्होंने कहा देश में संविधान, धर्मनिरपेक्षता और कानून की बात तब तक चलेगी जब तक हिंदू बहुसंख्यक हैं, हिंदू के बहुमत में रहने से कानून कायम रहेगा नहीं तो समुदाय के अल्पसंख्यक हो जाने के बाद कुछ भी नहीं बचेगा। पटेल गुजरात के गांधीनगर के भारत माता मंदिर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बोल रहे थे। पटेल ने आगे कहा, मेरे शब्द लिख लीजिए जब तक हिंदू बहुमत में हैं तभी तक कानून बिना सांप्रदायिकता के रहेगा। भगवान ना करे हजार, दो हजार साल बाद यदि हिन्दुओं की संख्या कम हुई तो उस दिन ना कोई कोर्ट होगा, ना कचहरी होगी, ना कोई कानून, कोई लोकशाही नहीं, कोई संविधान नहीं रहेगा। सब दफना दिया जाएगा। जिस समय नितिन पटेल ने ये बातें कहीं, मंच पर राज्य के गृह मंत्री प्रदीप सिंह जाडेजा और वीएचपी व आरएसएस के शीर्ष नेता मौजूद थे। पटेल ने कहा, ''मैं सभी के बारे में बात नहीं कर रहा। मुझे यह भी साफ कर देना चाहिए कि लाखों मुसलमान देशभक्त हैं, लाखों ईसाई देशभक्त हैं। गुजरात पुलिस में हजारों मुसलमान हैं, वे सभी देशभक्त हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)